page 1 and 8 may 9_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/9/2026 2:17 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 मेधावी छात्राओं को सम्मानित कर बढ़ाया उत्साह

5 राष्ट्रीय खेल महासंघ सम्मेलन भारत की वैश्विक खेल तैयारियों की दिशा में समन्वित कदम: मांडविया

8 बिलावर में नशा विरोधी पदयात्रा, समाज को नशा मुक्त बनाने का संदेश

मौसम जम्मू — न्यूनतम 27 — अधिकतम 39

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-112 | जम्मू तवी, शनिवार 09 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

खबर संक्षेप

झेलम नदी में डूबने से तीन युवकों की मौत, शव बरामद

बांदीपोरा, 08 मई । उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा के हाजिन इलाके में झेलम नदी में डूबने से शुक्रवार को तीन युवकों की मौत हो गई। यह घटना चंदेरगीर चौक क्षेत्र में हुई, जब तीनों युवक नदी के किनारे तंबू का सामान धो रहे थे।

एक अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद स्थानीय निवासियों और स्वयंसेवकों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। शुरुआती अभियान में दो शव बरामद किए गए, जबकि तीसरा शव बाद में मिला।

मृतकों की पहचान आदिल अहमद डार (18) पुत्र बशीर अहमद डार, समीर अहमद डार (22) पुत्र मोहम्मद जमाल डार और सोहेल अहमद डार (22) पुत्र गुलाम नबी डार के रूप में हुई है।

ये सभी चंदेरगीर हाजिन के निवासी थे। शवों को चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताओं के लिए पास के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और आगे की जांच जारी है।

उत्पीड़न की घटना के बाद कॉलेज के प्रिंसिपल और सहायक प्रोफेसर को निलंबित करने का आदेश

श्रीनगर, 08 मई । उच्च शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने अमर सिंह कॉलेज में उत्पीड़न की घटना के बाद कॉलेज के प्रिंसिपल और एक सहायक प्रोफेसर को निलंबित करने का आदेश दिया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मंत्री ने मामले का गंभीर संज्ञान लिया है और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। घटना की जांच के आदेश भी दिए गए हैं जिसे एक सप्ताह के भीतर पूरा करने को कहा गया है।

सूत्रों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम घटना को लेकर बढ़ती चिंता और छात्रों तथा नागरिक समाज द्वारा जवाबदेही की मांग के बीच उठाया गया है।

इस बीच उच्च शिक्षा विभाग ने आश्वासन दिया है कि न्याय सुनिश्चित करने और जम्मू-कश्मीर के सभी कॉलेजों में सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाएगी।

किसानों को राहत दिलाने के लिए कृषि मंत्रालय ने नेफेड- एनसीसीएफ को खरीद के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 08 मई । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ)और राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (एनएएफईडी)को लक्ष्य आधारित खरीद के निर्देश दिए। शुक्रवार को इस विषय को लेकर कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नेफेड और एनसीसीएफ के साथ उपार्जन संबंधी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

इस दौरान उन्होंने दोनों एजेंसियो को किसानों के हितों को देखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां बाजार भाव एमएसपी से नीचे हैं, वहां किसानों से प्रभावी और समयबद्ध खरीद हर हाल में सुनिश्चित की जाए। चौहान ने

बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान को उसकी उपज का न्यायसंगत मूल्य दिलाना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस लक्ष्य में किसी भी स्तर की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में शिवराज सिंह ने कहा कि राज्यवार आवंटन के साथ-साथ जिला-स्तर पर उत्पादन, संभावित आवक और 25 प्रतिशत खरीद क्षमता का आकलन कर ठोस कार्ययोजना बनाई जाए ताकि उपार्जन का लक्ष्य वास्तविक जमीन पर हासिल हो सके। चौहान ने दलहन-तिलहन, विशेषकर चना, मसूर, उड़द और सरसों जैसी फसलों पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि जहां किसानों को एमएसपी से कम दाम मिल रहे हैं, वहां खरीद में तेजी लाना अनिवार्य है।

उन्होंने अधिकारियों को राज्यों में वास्तविक बाजार भाव की ताजा जानकारी जुटाने के निर्देश दिए। चौहान ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य के निर्देश प्रक्रियाएं या स्थानीय प्रशासनिक अड़चनें किसानों से खरीद में बाधा बन रही हैं तो केंद्र सरकार सक्रिय समन्वय के जरिए उनका समाधान सुनिश्चित करेगी।

चौहान ने कहा कि दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने का राष्ट्रीय लक्ष्य तभी सफल होगा, जब किसानों को यह भरोसा होगा कि जरूरत पड़ने पर उनकी उपज एमएसपी पर खरीदी जाएगी।

चौहान ने नेफेड और एनसीसीएफ को निर्देशित किया कि वे उपार्जन को लेकर बेहतर काम करें, समस्याओं की सूची बनाकर समाधान सहित प्रस्तुत करें और शेष अवधि में खरीद प्रदर्शन में ठोस सुधार दिखाएं।

जम्मू-कश्मीर नशा पीड़ितों के लिए दीर्घकालिक पुनर्वास योजना शुरू करेगा

मुख्य सचिव ने उपचार, पुनर्समावेशन और आजीविका सहायता के ढांचे की समीक्षा की

श्रीनगर, 8 मई जम्मू-कश्मीर सरकार नशे के शिकार लोगों के लिए दीर्घकालिक पुनर्वास योजना लागू करने जा रही है। इस संबंध में मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज संबंधित प्रशासनिक सचिवों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक कल्याण विभाग द्वारा तैयार व्यापक पुनर्वास योजना की समीक्षा की। यह योजना विभिन्न सरकारी विभागों और हितधारकों के परामर्श से तैयार की गई है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, प्रधान सचिव गृह, आयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग, आयुक्त सचिव सामाजिक कल्याण विभाग, आयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा विभाग, निदेशक कॉलेज शिक्षा, एनआईसी के राज्य सूचना अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम देने वाली व्यावहारिक और मजबूत पुनर्वास रणनीति तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना को सभी संबंधित विभागों और नागरिक समाज के हितधारकों, विशेषकर मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (आईएमएचएएनएस) तथा सरकारी मेडिकल कॉलेजों के मनोरोग विभागों के विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद और बेहतर बनाया जाए।

मुख्य सचिव ने पुनर्वास प्रक्रिया में मरीज मार्गदर्शकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए कहा कि इन मार्गदर्शकों के पास आवश्यक योग्यता होनी चाहिए तथा उन्हें आईएमएचएएनएस में विशेष प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक जिले में कम से कम 30 से 40 प्रशिक्षित मार्गदर्शकों का समूह तैयार करने के निर्देश दिए, जो दीर्घकालिक पुनर्वास कार्यक्रम में सहयोग करेंगे।

उन्होंने कहा कि समर्पित और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित मार्गदर्शकों का समूह इस पुनर्वास कार्यक्रम की मजबूत नींव बनेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि मरीजों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार मार्गदर्शकों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय की जाएं ताकि वे प्रभावित व्यक्तियों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ सकें और उन्हें समाज में पुनर्स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने इन मार्गदर्शकों को प्रोत्साहित करने के लिए उचित प्रोत्साहन प्रणाली विकसित करने पर भी जोर दिया।

मुख्य सचिव ने पुनर्वास प्राप्त व्यक्तियों को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकारी योजनाओं और संसाधनों को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को दोबारा स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षा जारी रखने में भी सहायता दी जाए। साथ ही एनआईसी को पुनर्वास प्रक्रिया की सतत निगरानी और प्रभावित व्यक्तियों के दीर्घकालिक स्थिरीकरण के लिए एक विशेष डिजिटल पोर्टल विकसित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों और हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय की जानी चाहिए। साथ ही वित्तीय आवश्यकताओं और निर्धारित अवधि में अपेक्षित परिणामों का भी विस्तृत आकलन किया जाए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त शैलेंद्र कुमार ने सुझाव दिया कि मरीजों को नशे की गंभीरता के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाए ताकि पुनर्वास और मार्गदर्शन उसी अनुसार दिया जा सके। उन्होंने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और सरकारी वित्तीय सहायता के माध्यम से भी सहयोग प्राप्त करने की बात कही।

उन्होंने विभिन्न विभागों, विशेषकर उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों में उपलब्ध मनोवैज्ञानिकों की सेवाओं का उपयोग कर काउंसलिंग और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत बनाने का सुझाव भी दिया।

प्रधान सचिव गृह चंद्राकर भारती ने कहा कि पुनर्वास ढांचे को जमीनी जरूरतों के आधार पर तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल पारंपरिक सरकारी योजनाओं की पुनरावृत्ति न होकर नशा पीड़ितों और उनके परिवारों की वास्तविक जरूरतों, आकांक्षाओं और चुनौतियों के अनुरूप होना चाहिए।

भाजपा नेता सुभेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री

कोलकाता, 08 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने गये और अब वह पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि पिछली विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्य करने वाले श्री अधिकारी को शहर के उत्तर-पूर्वी छोर पर न्यू टाउन स्थित बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता चुना गया।श्री शाह ने श्री अधिकारी के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा, उनके नाम का प्रस्ताव आठ विधायकों ने रखा था। विधायकों को दूसरा नाम देने का विकल्प भी दिया गया था लेकिन उन्होंने केवल उन्हीं को प्राथमिकता दी।श्री शाह इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण

माझी भी इस बैठक में केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे।

पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी पर उनकी लगातार चुनावी जीत को नेतृत्व के इस फैसले के पीछे का मुख्य कारण बताया। श्री अधिकारी ने 2021 के विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम में सुश्री बनर्जी को 1,956 वोटों के मामूली अंतर से हराया था। उन्होंने अभी हाल ही में भवानीपुर में भी उन्हें सीधे राजनीतिक चुनौती दी। उन्होंने नंदीग्राम सीट को आसानी से अपने पास रखते हुए भवानीपुर में सुश्री बनर्जी को 15,000 से अधिक वोटों से हराया, जिससे मुख्यमंत्री पद के लिए उनका दावा सबसे अधिक मजबूत हो गया।

बैठक के बाद श्री अधिकारी के राजभवन में राज्यपाल आरएन रवि से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करने की उम्मीद है।

राजनीतिक जानकारों ने एक मौजूदा मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता के बीच इस सीधे चुनावी मुकाबले को बंगाल की राजनीति में अभूतपूर्व बताया। भाजपा नेताओं ने निजी तौर पर माना कि इतने निर्णायक जनादेश के बाद श्री अधिकारी को शीर्ष पद के लिए नजरंदाज करने से पार्टी के भीतर नाराजगी पैदा हो सकती थी।

जम्मू और कश्मीर में 11 से 13 मई तक बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना

श्रीनगर, 08 मई । श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने जम्मू और कश्मीर में 10 मई तक सामान्यतः शुष्क मौसम का पूर्वानुमान लगाया है जबकि 11 से 13 मई तक बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है।

मौसम संबंधी सलाह के अनुसार 8 और 9 मई को क्षेत्र में सामान्यतः शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है हालांकि कुछ स्थानों पर दोपहर बाद हल्की बारिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। 10 मई को शाम तक मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना है जिसके बाद शाम और रात के दौरान कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने 11 से 13 मई तक सामान्यतः बादल छाए रहने और जम्मू और कश्मीर के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है। इस दौरान कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि, गरज और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। विभाग द्वारा जारी एक सलाह में कश्मीर और जम्मू दोनों डिवीजनों में 10 मई की शाम/रात से 13 मई तक कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

किसानों को मौसम की संभावित स्थिति को देखते हुए 10 मई तक कृषि कार्य जारी रखने की सलाह दी गई है। विभाग ने आगे कहा कि अगले तीन दिनों में कई स्थानों पर दिन का तापमान धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है जिसके बाद 13 मई तक इसमें 3-5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।

सतीश शर्मा ने जम्मू-कश्मीर में संतुलित और प्रभावी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

श्रीनगर, 8 मई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, युवा सेवा एवं खेल, सूचना प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने आज कश्मीर संभाग के परिवहन संघों और यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में परिवहन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और जम्मू-कश्मीर में संतुलित, टिकाऊ तथा जनकेंद्रित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में परिवहन सचिव, श्रीनगर नगर निगम आयुक्त, परिवहन आयुक्त, परिवहन विभाग के वित्त निदेशक, अतिरिक्त सचिव, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कश्मीर, संयुक्त निदेशक योजना एवं सांख्यिकी सहित विभिन्न परिवहन संघों और यूनियनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक के दौरान परिवहन संगठनों के प्रतिनिधियों ने निजी परिवहन क्षेत्र के सामने आ रही विभिन्न मांगों, शिकायतों और परिचालन संबंधी समस्याओं को उठाया। सार्वजनिक

परिवहन संचालन, स्मार्ट सिटी बस सेवाएं, जम्मू-कश्मीर आरटीसी संचालन, यातायात प्रबंधन, परिवहन नियमों और निजी परिवहन संचालकों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रतिनिधियों ने जम्मू-कश्मीर में मुफ्त सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के लिए बसों की प्रस्तावित खरीद पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकारी मुफ्त परिवहन सेवाओं का बड़े स्तर पर विस्तार संतुलित तरीके से किया जाना चाहिए ताकि निजी परिवहन संचालकों की आजीविका और कार्यप्रणाली प्रभावित न हो। उन्होंने स्मार्ट सिटी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा के कारण निजी परिवहन सेवाओं की आर्थिक स्थिति और स्थिरता पर पड़ रहे प्रभाव का भी उल्लेख किया। बैठक में जम्मू-कश्मीर के बाहर पंजीकृत वाहनों के संचालन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधियों ने मांग की कि बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहनों के अनधिकृत संचालन पर मौजूदा कानूनों के अनुसार सख्त नियंत्रण लगाया जाए, ताकि स्थानीय परिवहन संचालकों के हितों की रक्षा हो सके। परिवहन प्रतिनिधियों ने यह भी मांग की कि स्मार्ट सिटी बसें केवल श्रीनगर नगर निगम की निर्धारित सीमा के भीतर ही संचालित हों और उन्हें ऐसे क्षेत्रों में संचालन की अनुमति न दी जाए जहां निजी परिवहन सेवाएं प्रभावित होती हों। मंत्री ने इस संबंध में श्रीनगर स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के निर्देश दिए, जो नगर सीमा से बाहर रूट विस्तार के मुद्दे की जांच कर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी। परिवहन संचालन को सुव्यवस्थित करने और रूट संबंधी टकराव से बचने के लिए प्रतिनिधियों ने स्मार्ट सिटी बसों, जम्मू-कश्मीर आरटीसी बसों और निजी वाहनों के लिए समन्वित समय-सारणी लागू करने की मांग भी की।

युद्ध में बदलत और दुश्मन से आगे रहने के लिए 'आश्चर्य का तत्व' विकसित करें कमांडर: राजनाथ

नयी दिल्ली 08 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेजी से बदलते भू-राजनीतिक सुरक्षा परिदृश्य में हर तरह की स्थिति से निपटने को तैयार रहने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त प्रणालियों, डेटा विश्लेषण और सुरक्षित संचार नेटवर्क में क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि भविष्य के संघर्ष हाइब्रिड खतरों, सूचना प्रभुत्व तथा साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय क्षेत्रों में एक साथ संचालित अभियानों से प्रभावित होंगे।श्री सिंह ने संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन कमांडरों को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए की त्वरित , सटीक और संयुक्त जवाबी कार्रवाई का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध केवल हथियारों से नहीं बल्कि नयी सोच और बेहतर समन्वय से जीते जायेंगे।

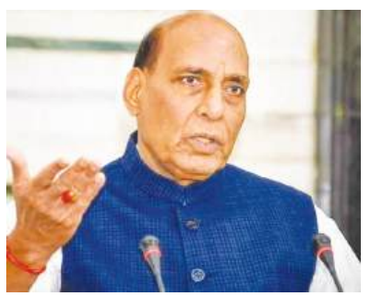

उन्होंने कहा , ऑपरेशन सिंदूर भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए भारतीय रक्षा बलों की त्वरित, सटीक और संयुक्त प्रतिक्रिया का प्रमाण है। उन्होंने तीनों सेनाओं के कमांडरों से आह्वान किया कि वे इस अभियान तथा वर्तमान वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य से सीख लेकर भविष्य के लिए सदैव तैयार रहें। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को अल्प अवधि वाला, गहरी पैठ बनाने वाला, उच्च तीव्रता तथा अत्यधिक प्रभाव वाला अभियान बताया, जिसने भारत की अपने विरोधियों को आत्मसमर्पण के लिए विवश करने की क्षमता को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान भारत की बढ़ती सामरिक क्षमताओं तथा राष्ट्र के सामूहिक संकल्प एवं नए सैन्य दृष्टिकोण का प्रतीक है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तनकारी प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने संघर्ष के सभी आयामों में एकीकृत राष्ट्रीय तैयारी सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया श्री सिंह ने तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता, एकीकरण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि संयुक्तता वैश्विक रक्षा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

टीवीके नेता विजय को सरकार बनाने से रोकने का कोई औचित्य नहीं : उमर

श्रीनगर, 08 मई । जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल के पास टीवीके नेता विजय को सरकार बनाने से रोकने का कोई औचित्य नहीं है और उन्हें विधानसभा में बहुमत साबित करने का अवसर दिया जाना चाहिए।

अब्दुल्ला ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के कई फैसलों के मद्देनजर तमिलनाडु में राष्ट्रपति शासन लगाने का कोई औचित्य नहीं है, जिनमें सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने और फिर सदन में अपना बहुमत साबित करने पर जोर दिया गया है। अगर हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखें, तो राष्ट्रपति शासन नहीं होना चाहिए। ऐसे कई

मामले हैं, जिनमें सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि चुनाव के बाद सबसे बड़ी पार्टी को (सरकार गठन के लिए) आमंत्रित किया जाना चाहिए और उन्हें विधानसभा में अपना बहुमत साबित करने का मौका दिया जाना चाहिए।

अब्दुल्ला ने तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति के बारे में पूछे जाने पर यहां पत्रकारों से कहा कि ऐसा तब हुआ जब (पूर्व प्रधानमंत्री) वाजपेयी ने 13 दिनों के लिए सरकार बनाई। भारत के राष्ट्रपति ने उनके बहुमत का इंतजार नहीं किया। भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें आमंत्रित किया सरकार 13 दिनों तक चली लेकिन जब वाजपेयी के पास बहुमत नहीं था, तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया इसलिए अगर हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखें, तो तमिलनाडु के पास इस प्रक्रिया को रोकने का कोई औचित्य नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि विजय को सरकार बनाने की अनुमति दी जानी चाहिए और फिर उन्हें अपना बहुमत साबित करने का अवसर दिया जाना चाहिए और अगर वे साबित कर देते हैं, तो वे बने रहेंगे लेकिन अगर नहीं तो उन्हें इस्तीफा देना होगा

वेकेशन में अपने बच्चों को बिजी रखने के लिए अपनाएं ये तरीकें

बच्चों को गर्मियों की छुट्टियां होते ही ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों के साथ वेकेशन मनाने की तैयारी पहले से ही करने लगते हैं। हर मां-बाप चाहते है कि उनके बच्चे अपनी छुट्टियां मौज और मसती से बिताएं। ऐसे में हर बच्चे का मन होता है कि वह अपने पेरेंट्स के साथ किसी वेकेशन पर जाएं। पर कुछ पेरेंट्स काम में बिजी होने के कारण बच्चों के साथ वेकेशन पर नहीं जा पाते। इसलिए आज हम पेरेंट्स को कुछ ऐसे टिप्स बताएगें जिसे वह अपने बच्चों को वेकेशन में बिज़ी रख सकते है। तो आइए जानते हैं...

- एक्टिविटीज़ में भाग लेने के लिए भेजें

माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों को घर में बिठाने की जगह स्कूल में ऑर्गनाइज़ की जानेवाली एक्स्ट्राकुरिकलर एक्टिविटी में भेजें। ऐसा करने से वह अपने स्कूल फ्रेंड्स के साथ एक्टिविटीज़ में भाग लेने के लिए आसानी से तैयार भी हो जाएगें।

- समर कैंप

गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप लगाने के लिए बच्चों की एडमिशन करवा दें क्योंकि इन कैंप को लगाने से आपके बच्चों को अलग अनुभव मिलता है और साथ ही वह स्वतंत्र रूप से चीज़ों को मैनेज करना भी सीख सकते हैं।

- क्रिएटिव आर्ट क्लासेस

जो बच्चे क्रिएटिव आर्ट का शौक रखते हैं तो उन्हें उसका शौक पूरा करने के लिए के लिए गर्मी की छुट्टियों में क्रिएटिव आर्ट क्लासेस जरूर ज्वाइन करवाएं। ऐसा करने से उनकी छुट्टियां बोरिंग नहीं होगी और वह मौज-मस्ती से अपने दोस्ते के साथ अपनी वेकेशन को बिता सकेगे।

- रूटीन एक्सरसाइज़ क्लासेस लगाएं

अगर आप अपने बच्चों को वेकेशन में कहीं घुमाने के लिए नहीं लेकर जा सकते तो छुट्टियों में बच्चों को घर में बैठाने की जगह रूटीन एक्सरसाइज़ जैसे कि योगा, कराटे, स्वीमिंग कलासेस आदि लगाने के लिए प्रेरित करें।

- घर में आपके साथ मदद करने के लिए कहें

छुट्टियों में बच्चों को बिजी रखना चाहते है तो आप अपने साथ घर के छोटे-छोटे कामों में बच्चों को मदद भी ले सकते हैं। जैसे कि आप बच्चों के कमरे में पड़ी बुक और टॉय को अच्छे से अरेंज कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके बच्चें बिज़ी तो रहेगे ही साथ ही वह क्लीनलीनेस और डिसिप्लीन भी सिखेंगे।

- फैमिली ट्रिप पर साथ लेकर जाएं

बच्चों की वेकेशन में उन्हें घूमाने के लिए फैमिली ट्रिप प्लान करें। ऐसा करने से आप अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते है और बच्चे इस फैमिली ट्रिप को हमेशा याद भी रखेगे।

बच्चे के साथ सोने के हैं बहुत सारे फायदे

रेंट्स अपने काम में इतना ज्यादा व्यस्त रहते हैं कि नके पास बच्चो के लिए टाइम ही नहीं होता। भागदौड़ ी जिंदगी और बदलती जीवनशैली के कारण वह नभर तो बच्चों के साथ टाइम बिता नहीं पाते, पर इस ी को कम करने के लिए वह रात को बच्चों के साथ ोते हैं। आज हम आपको बच्चों के साथ सोने से ायदों के बारें में बताएगें। तो आइए जानते हैं...

सुरक्षित महसूस करना

च्चे अक्सर रात को अकेले सोने से डर कर उठ जाते हैं ौर उनकी नींद पूरी नहीं होती। ऐसे में स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। कभी-कभी तो बच्चे डर कर ो रोने लगते हैं। ऐसे बच्चें अक्सर अपने मां-बाप के साथ स्वयं को सुरक्षित महसूस करते है।

- हेल्दी बैड टाइम रूटीन

समय पर सोने से नींद तो अच्छी आती ही है साथ ही हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि वह बच्चों में हेल्दी बैड टाइम रूटीन डालने के लिए उनके साथ ही सोएं।

- मानसिक रूप से करीब

रात को बच्चों के साथ सोने आप उनके दिन की हर हरकत के बारे में आसानी से पूछ सकते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा आपके साथ अपने दिल की सारी बातें बताएगा। अगर उसे कोई परेशानी है तो वह आपसे कहेगा और बिना किसी मानसिक परेशानी लिए आराम से सो पाएगा।

- समय बिताना

यदि आपका बच्चा हर रोज आपसे कहानी सुन कर सोता है तो इसका मतलब है कि उसकी सोने की इच्छा नहीं है और आपके साथ कुछ वक्त बिताना चाहता है। इसलिए जो मां-बाप अपने बच्चों के साथ दिन में समय नहीं बिता पाते वह रात को बच्चों के साथ समय बिताने के लिए जरूर सोएं। - अच्छे संस्कार जो बच्चे रात के समय अपने पेरेंट्स के साथ सोते हैं उन्हें कहानियां सुना कर आप अच्छे संसकार दे सकते हैं। इन कहानियों से उन्हें बहुत सारी सीख भी मिलती है जिन्हें वह हमेशा याद रखते हैं।

- आत्मसम्मान में वृद्धि

जो बच्चे अपने पेरेंट्स के साथ सोते हैं उनमें आत्मसम?मान में वृद्धि होती है। ऐसे बच्चे किसी के दबाव में कम रहते हैं और वह ज्यादा खुश रहते हैं।

मां-बाप की लड़ाई में क्यों पिसे बच्चा?

बच्चों के व्यवहार पर उसके माता-पिता के व्यवहार की छाप दिखाई देती है। यह बात बहुत सारी रिसर्च में भी कहीं गई है कि बच्चे के व्यवहार में 90 प्रतिशत असर उसके अभिभावकों के व्यवहार का ही होता है। उनके स्वभाव और सोच पर आपको वैसी ही झलक दिखाई देगी जैसा माहौल उसे बचपन से लेकर बड़ा होने तक मिला होगा। अगर माहौल खुशनुमा हैं तो बच्चा खुश मिजाज होगा लेकिन अगर माहौल लड़ाई-झगड़े से भरा पड़ा हैं तो बच्चे का स्वभाव गुस्सैल, चिड़चिड़ा और ईर्ष्या वाला होगा। बहुत सारे मातापिता ऐसे हैं जो अपने बच्चों के सामने ही लड़ाई, बहस और मारपीट शुरू कर देते हैं लेकिन क्या उन मां-बाप ने कभी सोचा है कि ऐसा करने पर बच्चे के मन पर क्या बीतती होगी या इस लड़ाई का उनके दिमाग पर कैसा असर पड़ता होगा। ऐसे माहौल से बच्चे की लाइफ में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वह मानसिक रूप से बीमार पड़ सकते हैं। * **माता-पिता के झगड़ों का बच्चों पर बुरा असर**

-डिप्रैशन

बच्चे डिप्रैशन का शिकार हो जाते हैं क्योंकि उन्हें खुशहाल माहौल और प्यार नहीं मिलता।

-सहमें रहना बच्चों के सामने मारपीट, बहस और गाली-ग्लौच करते हुए पैरेंट्स इस बात को भूल जाते हैं कि उनकी इन हरकतों की वजह से उनके बच्चे सारी उम्र डरे सहमें रहते हैं। उन्हें किसी भी रिश्ते को निभाने में डर लगता है।

-मानसिक रूप से परेशान

ऐसे माहौल में रहने वाले बच्चों को मानसिक विकास अच्छे से नहीं हो पाता। वह बचपन की मस्तियों को खो देते हैं। कई बार तो बच्चा खुद को ही उन झगड़ों की वजह मानने लगता है।

-चिड़चिड़ा और गुस्सैल

झगड़े को देखकर उसका स्वभाव भी चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाता हैं, जिसका असर जीवन भर उसकी जिंदगी में देखने को मिलता हैं। यही स्वभाव आगे चलकर उसकी लाइफ में बहुत सारी प्रॉब्लम खड़ी कर देता है।

- पढ़ाई में कमजोर

ऐसे बच्चे का दिमाग कभी फ्रैश नहीं होता। वह न तो ढंग से किसी दूसरे बच्चे से बात कर पाता हैं और न ही पढ़ाई।

***इन बातों का रखें ध्यान**

-माता-पिता आपसी मन-मुटाव की बातें बंद कमरे में ही निपटाएं।
-बच्चों के सामने ऐसी कोई बात न करें जो उन्हें तनाव दें।
- बच्चों को बड़ों की आपसी बातचीत से दूर रखें।
- बच्चे को खुशनुमा माहौल दें।

इन लक्षणों से पहचानें बच्चे की नजर कमजोर है

पहले मनोरंजन के नाम पर बच्चे बहुत सारे खेल खेलते थे, जिसमें ज्यादातर आऊटडोर गेम्स शामिल होते थे। वह अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल-कूद में बिताया करते है लेकिन अब तो टैलीविजन, वीडियो गेम्स और कंप्यूटर ही उनकी पहली पसंद बन गए हैं। टैलीविजन और वीडियो गेम्स के सामने बैठे वह अपने शरीर को बिलकुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। लेकिन यह पैरेंट्स की जिम्मेदारी बनती हैं कि वह अपने बच्चों के स्वास्थय का पूरा ध्यान रखें। बच्चे के शरीर की तरह उनकी आंखें भी बहुत कोमल होती है। अगर छोटी उम्र में ही चश्मा लग जाएं तो पूरी उम्र उससे पिछा नहीं छुटता। यदि आपको यह लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही हैं तो नीचे दिए गए लक्षणों को ध्यान में रखें। अगर लक्षण दिखाई दे तो तुरंत आंखों की जांच करवाएं।

1. बार-बार आंखों को मलना यह बच्चों की कमजोर नजर की निशानी हो सकती है। वैसे कई बच्चों को वैसे भी आंखें मलने की आदत होती है।

2. लगातार सिर दर्द की होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं लेकिन लेकिन अगर बच्चे को टीवी देखते या पढ़ाई करते समय सिर दर्द हो तो यह आई साइड विक की निशानी हो सकती है। 3. अगर बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखें या वीडियो गेम खेले तो समझ लें कि उसे चश्मा लगने वाला है।

4. तेज रोशनी में पलके झपकना और धीमी रोशनी को ओर बढ़ते वक्त धब्बे नजर आते हैं तो यह लक्षण विटामिन की कमी के हैं। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिलाएं।

5. भेंगापन कई बार बच्चे मज़ाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना होकर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

6. सिर को बार-बार घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टी.वी. देखते समय बीच-बीच में आंखों को बंद करके सिर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

7. अगर बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नज़र आए और वह उसे देखने के लिए बहुत करीब आए तो बच्चे की नजर जरूर चैक करवाएं।

8. आई बॉल की गति से लक्षण को पहचानना मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नज़र आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

9. नींद पूरी ना होने के कारण भी बच्चों की आंखें लाल हो सकती हैं लेकिन रोज लालगी आती है तो नजर टेस्ट जरूर करवाएं।

10. आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है तो समझ लें आंखों की रोशनी कम हो

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, 17 मई से शुरू होगी सेल्फ-एन्यूमरेशन प्रक्रिया

कठुआ, 08 मई (हि.स.)। जनगणना 2027 को लेकर तैयारियों के तहत डीसी कठुआ एवं प्रिंसिपल सेंसस ऑफिसर राजेश शर्मा ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग कर आम जनता से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

उन्होंने बताया कि 17 मई से 31 मई 2026 तक सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्वयं विवरण भरने) की प्रक्रिया चलाई जाएगी जिसमें नागरिक निर्धारित पोर्टल के माध्यम से घर बैठे अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकेंगे। सफल पंजीकरण के बाद प्रत्येक परिवार को एक यूनिक सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी मिलेगी जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा।

डीसी ने कहा कि यह प्रक्रिया पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है जिससे लोग अपनी जानकारी स्वयं और सही तरीके से दर्ज कर सकें। उन्होंने बताया कि 1 जून से 30 जून 2026 तक जनगणना टीमें घर-घर जाकर सत्यापन और हाउस लिस्टिंग का कार्य करेंगी। उन्होंने लोगों को सतर्क करते हुए कहा कि जनगणना के दौरान कोई भी अधिकारी ओटीपी की मांग नहीं करेगा इसलिए किसी भी तरह की धोखाधड़ी से सावधान रहें। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें ताकि जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो सके। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जनगणना प्रक्रिया, प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार और समन्वय से जुड़ी तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

मेधावी छात्राओं को सम्मानित कर बढ़ाया उत्साह

जम्मू, 08 मई (हि.स.)। जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने शुक्रवार को सरकारी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कैनाल रोड, जम्मू की मेधावी छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य अनीता कौल, शिक्षकगण, छात्राएं तथा कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल अंगराल, कुशांत प्रजापति, वरिष्ठ नेता केशव चोपड़ा और आईआईएफएल फाइनेंस के जीएम अरुण शर्मा सहित जिला एवं मंडल पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए अरविंद गुप्ता ने छात्राओं को उनकी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों की भी सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में उनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक मजबूत और प्रगतिशील समाज के निर्माण की सबसे बड़ी कुंजी है तथा विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

अरविंद गुप्ता ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं और उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर प्रदान करना देश के समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी है।

विद्यालय की प्राचार्य अनीता कौल ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में मेधावी छात्राओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

'नशा मुक्त समाज के लिए सामुदायिक भागीदारी अहम'

जम्मू, 08 मई। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जिला प्रशासन ने आज उपायुक्त कार्यालय परिसर में एक विशाल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना और नशा मुक्त जिला बनाना था।

वन, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विभाग की आयुक्त सचिव शीटल नंदा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महिला निगरानी समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने और नशा मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया गया। अपने संबोधन में शीटल नंदा ने नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि परिवार, शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक संगठन और सरकारी एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से ही नशा मुक्त समाज बनाया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि महिला निगरानी समितियां संवेदनशील मामलों की पहचान करने, प्रभावित परिवारों की काउंसलिंग करने और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। शीटल नंदा ने अभिभावकों से अपने बच्चों के साथ लगातार संवाद बनाए रखने और उन्हें स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की।उन्होंने लोगों से नशे से प्रभावित व्यक्तियों की सहायता करने और समाज को जागरूक एवं जिम्मेदार बनाने में सहयोग देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य सहायता के महत्व पर जोर देते हुए टेली मानस हेल्पलाइन 14416 की जानकारी दी, जहां तनाव, चिंता, नशे की लत या भावनात्मक परेशानी से जूझ रहे लोग 24×7 परामर्श और स्वास्थ्य सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

इश्क बना जान का दुश्मन, प्यार की रंजिश में दोस्त ने ही उतारा मौत के घाट, क्रिकेट बैट से खूनी वार

कठुआ, 08 मई (हि.स.)। कठुआ में दो भाइयों पर हुए सनसनीखेज हमले के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए इसे प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला बताया है। पुलिस के अनुसार इस वारदात में मुख्य आरोपी मृतक का करीबी दोस्त ही निकला।

प्रेस वार्ता के दौरान एसएसपी मोहिता शर्मा ने बताया कि आरोपी पारस वर्मा उर्फ सुमित पुत्र सोमराज निवासी वार्ड 9 कठुआ ने अपने ही दोस्त नकुल सिंह और उसके भाई निखिल पर क्रिकेट बैट से हमला किया। हमले में नकुल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल निखिल को एम्स विजयपुर में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों युवक एक ही लड़की से प्रेम करते थे। इसी प्रेम-रंजिश के चलते आरोपी पारस वर्मा मृतक के घर पहुंचा और अचानक हमला कर दिया। इस दौरान जब निखिल ने अपने भाई को बचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उस पर भी बेरहमी से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद गायब हुआ फोन भी बरामद कर लिया गया है। इस ब्लाइंड मर्डर केस को सुलझाने के लिए कठुआ पुलिस ने विशेष जांच दल का गठन किया था। लगातार जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने महज 25 घंटे के भीतर इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

कठुआ जिले के लखनपुर में एक अभियान के दौरान तीन गैंगस्टर गिरफ्तार

कठुआ, 08 मई (हि.स.)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने कठुआ जिले के लखनपुर इलाके में एक अभियान के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा वांछित तीन गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन गिरफ्तारियों को विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय अंतरराज्यीय आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता बताया है। अधिकारियों के अनुसार आरोपी काफी समय से फरार थे और आपराधिक मामलों के सिलसिले में दिल्ली पुलिस की निगरानी में थे। विशिष्ट सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए लखनपुर पुलिस ने एक अभियान चलाया और तीनों को गिरफ्तार करने में सफल रही। आरोपियों की पहचान तुरंत आधिकारिक तौर पर उजागर नहीं की गई है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे और कई मामलों में जांच के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा वांछित थे। यह अभियान लखनपुर कॉरिडोर पर कड़ी निगरानी और जांच के बीच चलाया गया जो जम्मू और कश्मीर में प्रवेश का एक महत्वपूर्ण बिंदु है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपियों की गतिविधियों पर नज़र रखने और उन्हें गिरफ्तार करने में जम्मू-कश्मीर पुलिस और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय ने अहम भूमिका निभाई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस अभियान को बड़ी सफलता बताया और कहा कि यह संगठित अपराध और भगोड़े गिरोहों के खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बढ़ते समन्वय को दर्शाता है।

कुलगाम पुलिस ने कुंड में ड्रग तस्करों के कब्जे से 60 लाख की जमीन मुक्त कराई

कुलगाम, 08 मई (हि.स.)। नशा मुक्ति अभियान जम्मू-कश्मीर के तहत एक बड़ी कार्रवाई में कुलगाम पुलिस ने राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के कुंड इलाके में कथित ड्रग तस्करों के अनधिकृत कब्जे से लगभग 60 लाख मूल्य की कहचराई भूमि को मुक्त कराया।

अधिकारियों ने कहा कि संयुक्त अभियान पुलिस स्टेशन कुंड के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गांव ओरियल में चलाया गया, जहां कुल 06 कनाल कहचराई भूमि को कब्जे से मुक्त कराया गया।

विवरण के अनुसार सर्वे नंबर 182 मिन के तहत 01 कनाल भूमि कथित ड्रग तस्कर गुलाम नबी भट्ट, फतेह मोहम्मद भट के दामाद के अनधिकृत कब्जे में पाई गई थी। सर्वे नंबर 142 के तहत अन्य 03 कनाल भूमि ड्रग तस्कर गुलाम नबी भट पुत्र अब्दुल गनी भट के कथित अवैध कब्जे में थी। इसके अलावा सर्वे संख्या 142 मिन के तहत 02 कनाल भूमि भी ओरियल कुंड गांव के उन व्यक्तियों से बरामद की गई। पुलिस ने कहा कि मुक्त कराई गई जमीन का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 60 लाख है।

उत्तर रेलवे

आवेदन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर के माध्यम से फिरोजपुर मंडल के हॉल्ट स्टेशनों पर टिकट वितरण करने हेतु हॉल्ट ठेकेदार की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:-

1	**कार्य का नाम:** फिरोजपुर मण्डल (1) बोलीना दोआबा (2) मालुपोता (3) घल्लू (4) शाम चौरासी (5) जैजों दोआबा (6) जमशेर खास (7) जडोके (8) महंगरवाल दोआबा (9) खटकड़ कलां झंडा जी (10) गढ़शंकर (11) सैलाखुर्द, हॉल्ट स्टेशन आगामी 5 वर्ष के लिए ठेके का आबंटन।
2	**निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि व निविदा खुलने का समय:** दिनांक 15.06.2026 को 15:00 बजे तक (किसी कारण बस कार्यालय बंद होने की स्थिति में आवेदन पत्र अगले कार्य दिवस पर खोलें जायेंगे।)
3	**कार्यालय का पता तथा तारीख जहाँ से आवेदन पत्र प्राप्त किये जा सकते है:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर दिनांक 11.05.2026-15.06.2026 तक किसी भी कार्य दिवस पर तथा उत्तर रेलवे की वैब साइट **www.nr.indianrailways.gov.in** से डाउन लोड किए जा सकते है।

इस आबंटन से संबन्धित दस्तावेज जैसे आवेदन पत्र, अनुदेष करारनामा एवम नियम व शर्तो को उत्तर रेलवे कि वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर से डाउनलोड किये जा सकते है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1540/2026

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मण्डल में ई-नीलामी में आमंत्रण किया जाता हैं:

नीलामी सूची सं.	नीलामी शुरू होने का समय और तारीख	कार्य का नाम
EAFZR-SLR26-23	25.05.26 को 11:00 बजे	गाड़ियों में पार्सल स्पेस को लीस पर देने का ठेका (ट्रेन नंबर/एसएलआर कम्पार्ट्मेन्ट): 14622/F1, 19612/F1, 19326/F1, 22552/F1, 18104/F1, 15532/F1, 14682/F1, 14650/R1, 13308/F1 & 22446/F1.
EAFZR-PACKING44	25.05.26 को 11:00 बजे	जालंधर सिटी में दो पहिया वाहनों ओर अन्य पार्सल पैकेजों की पेकिंग के लिए अनुबंध का आवंटन।
EAFZR-SLR26-24	27.05.26 को 11:00 बजे	गाड़ियों में पार्सल स्पेस को लीस पर देने का ठेका (ट्रेन नंबर/एसएलआर कम्पार्ट्मेन्ट): 15212/F1, 15532/R1, 22480/F1, 14604/R1, 14618/F1, 14604/F1, 12422/F1 & 20424/F1.

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जायें। 1551/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

महाराणा प्रताप जयंती पर जम्मू में होगा भव्य 'धर्म जागरण' कार्यक्रम

जम्मू, 08 मई (हि.स.)। महान योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में 10 मई को जम्मू में भव्य धर्म जागरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन धर्म जागरण समन्वय के बैनर तले भारतीय योग संस्थान, कैंप रोड, तालाब तिल्लो में शाम 4-40 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष सत पॉल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि धर्म जागरण समन्वय के अखिल भारतीय सह प्रमुख अरुण कांत जी मुख्य वक्ता होंगे। इस संबंध में प्रेस क्लब जम्मू में आयोजित पत्रकार वार्ता में एडवोकेट पी.एस. चंदेल, नारायण सिंह, पंडित शिव रैना और तरसीम चिब ने कार्यक्रम की जानकारी साझा की। अमर क्षत्रिय राजपूत सभा के अध्यक्ष नारायण सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, राष्ट्रभक्ति, त्याग और अन्याय के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में जागरूकता पैदा करना और युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

चडवाल में 22.54 ग्राम हेरोइन बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 08 मई (हि.स.)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चडवाल के श्मशान घाट लिंक रोड पर एक नाका के दौरान करीब 22.54 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) जैसी नशीली सामग्री बरामद की है। इस दौरान एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया और एक कार भी जब्त की गई। जानकारी के अनुसार पुलिस पोस्ट चडवाल की टीम ने विशेष नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान टांडा से नई बस्ती चडवाल की ओर आ रही एक कार जेके08पी-1912 को रुकने का इशारा किया गया लेकिन चालक भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुस्कीन पुत्र डुल्ला निवासी मढ़हीन के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 22.54 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में थाना राजबाग में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। कठुआ पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर / पुल / कार्यशाला, उत्तर रेलवे, जालंधर छावनी के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ओपन ई-टेंडर को एकल पैकेट सिस्टम के तहत निमंत्रित किया गया है।

क्र. सं.	निविदा सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपये)	धरोहर राशि (रुपये)	खुलने की तिथि	IREPS पर बोली लगाने की तिथि	निविदा फार्म की लागत (रुपये)	कार्य समापन का समय
1.	OT-06-JRC-2026	SSE/Br/M/UMB के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत UMB- KLK सेक्शन पर स्थित प्रमुख स्टील गर्डर पुल संख्या 278UP/DN, 339 और 346 पर साइड पाथवे और निरीक्षण व्यवस्था का प्रावधान करना।	1,06,64,322.24	2,13,300.00	28.05.2026	14.05.2026 से 28.05.2026	0	10 महीने
2.	OT-07-JRC-2026	फिरोजपुर मंडल के अंतर्गत LDH-FZR सेक्शन में स्थित पुल संख्या 107-B (6x12.2m +1x24.2), ASR- KEMK सेक्शन के पुल संख्या 16 (1x17.23m) और BTI-KKP सेक्शन के पुल संख्या 1 और 2 NFL (1x6.30m + 1x17.23m) साइड पाथवे का प्रावधान करना।	57,55,204.73	1,15,100.00	28.05.2026	14.05.2026 से 28.05.2026	0	08 महीने
3.	OT-08-JRC-2026	SSE/Br/M/JUC के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत फिरोजपुर मंडल के 14 पुलों पर साइड पाथवे का प्रावधान करना।	1,76,02,082.03	3,52,100.00	28.05.2026	14.05.2026 से 28.05.2026	0	12 महीने
4.	OT-09-JRC-2026	BWS/JRC में 9.15 मीटर स्पैन के प्री-टेंशन वाले पी. एस. सी. स्लैब की कास्टिंग के लिए थ्रस्ट बेड का निर्माण करना।	3,46,44,722.89	6,92,900.00	28.05.2026	14.05.2026 से 28.05.2026	0	12 महीने

निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	प्रत्येक के खिलाफ दिखाए गए तिथियों पर 15:00 बजे तक और उसी समय 15:00 बजे के बाद।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और डाउनलोड किया जा सकता है।	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तरी रेलवे वेब साइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

No. 80-W/30/Bridges/ Invitation Dated: 06.05.2026 1525/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जश्न-ए-बहार' राष्ट्रीय कला कार्यशाला रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न

जम्मू, 08 मई (हि.स.)। मास्टर संसार चंद बारू मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 11 राष्ट्रीय राइफल्स के सहयोग से टीआरसी छतरू में आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला 卐जश्न-ए-बहार卐 शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हो गई।

कार्यशाला के समापन समारोह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, पारंपरिक नृत्य, मार्शल आर्ट प्रदर्शन और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों, शिक्षकों, कलाकारों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सेना और आयोजकों द्वारा सम्मानित किया गया। 11 राष्ट्रीय राइफल्स ने बच्चों की रचनात्मकता और उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। वहीं एमएससीबीएमसी ट्रस्ट की ओर से प्रतिभागियों को उपहार और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में दिल्ली से शैलेन्द्र सिंह और शर्मिला शर्मा, नोएडा से आदित्य शंकर प्रसाद, तमिलनाडु से पी. देवराज, गुजरात से गोविंद विश्वास तथा पश्चिम बंगाल से अपूर्बा कराती सहित कई प्रसिद्ध कलाकारों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें कला एवं संस्कृति के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया।

दूरदराज क्षेत्र छतरू में इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भारतीय सेना, विशेषकर 11 राष्ट्रीय राइफल्स की भूमिका की व्यापक सराहना की गई।

स्थानीय लोगों ने कहा कि इस पहल से युवाओं को सकारात्मक दिशा मिली है और सुरक्षा बलों तथा स्थानीय समुदाय के बीच बेहतर तालमेल भी मजबूत हुआ है। एमएससीबीएमसी ट्रस्ट की अध्यक्ष अनुराधा ऋषि ने सेना, कलाकारों, स्कूलों और स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों की भागीदारी ने यह साबित किया है कि दूरदराज क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि बच्चों को सीखने, रचनात्मक विकास और बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

कश्मीरी प्रवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी कांग्रेसः रमन भल्ला

जम्मू, 08 मई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रमन भल्ला ने शुक्रवार को विस्थापित कश्मीरी प्रवासी समुदाय को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी उनके न्यायसंगत और वास्तविक मुद्दों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। कश्मीरी प्रवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए भल्ला ने सरकार द्वारा प्रवासी परिवारों को मिलने वाले राहत राशन लाभों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के साथ जोड़ने के कथित फैसले का कड़ा विरोध किया। उन्होंने इस कदम को 卐अनुचित卐 बताते हुए कहा कि इससे विस्थापित प्रवासी समुदाय की अलग पहचान और विशेष दर्जा कमजोर हो सकता है।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जेकेपीसीसी प्रवासी सेल के चेयरमैन हीरा लाल पंडिता ने किया। प्रतिनिधिमंडल में राजीव कौल सराफ, चुन्नी लाल रैना, राज कुमार धर, आर.एल. भट्ट, अनिल जी, शुभम जी रैना, वीरेंद्र गंजू, समीर रैना, दलिप कुमार पंडिता, कुलदीप कुमार रैना, विनोद कुमार रैना, विनोद फोटेदार, किरण रैना, विनोद भट्ट और राकेश अंबरदार सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विस्थापित कश्मीरी पंडितों को वर्ष 1990 में अस्थायी राशन कार्ड जारी किए गए थे, जो उन्हें संघर्ष के कारण विस्थापित समुदाय के रूप में अलग पहचान प्रदान करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन राशन कार्डों को जबरन एनएफएसए ढांचे में शामिल करना सरकार की ओर से पुनर्वास योजना के अभाव को छिपाने का प्रयास है।

संपादकीय

भूकंप की सटीक भविष्यवाणी करना अभी भी बड़ी चुनौती

भूकंप पृथ्वी पर सबसे हिंसक और विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक हैं। हर साल दुनिया भर में लाखों लोग भूकंप से प्रभावित होते हैं। भूकंप की सटीक भविष्यवाणी करना भू-भौतिक वैज्ञानिकों के लिए अभी भी एक बड़ी चुनौती है।

बड़े भूकंपों के अचानक और तीव्र झटके बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं और जान-माल की हानि का कारण बन सकते हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में कम और हल्की तीव्रता के भूकंप अक्सर आते रहते हैं। आज भी जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हल्के झटके महसूस किए गए।

भूकंप की तीव्रता 3.5 दर्ज की गई और इसका केंद्र किश्तवाड़ क्षेत्र में 33.289 उत्तर अक्षांश और 76.739 पूर्व देशांतर पर, 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस झटके से किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई।

ये दोनों केंद्र शासित प्रदेश उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आते हैं, जहां किसी भी समय उच्च तीव्रता का भूकंप आ सकता है। इसलिए प्रशासन और अन्य हितधारकों के लिए आवश्यक है कि वे किसी भी बड़े भूकंप की स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

जब बड़ा भूकंप आता है, तो आमतौर पर उसके बाद कई छोटे झटके (आफ्टरशॉक्स) आते हैं। यह एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन कम लोग यह जानते हैं कि बड़े भूकंप से पहले भी छोटे भूकंपों की एक श्रृंखला हो सकती है, जिन्हें भूकंप के पूर्व संकेत माना जाता है।

यह स्थिति जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में गंभीरता से लेने योग्य है क्योंकि पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में लगातार कम तीव्रता के झटके महसूस किए जा रहे हैं, जो किसी बड़े भूकंप की संभावना का संकेत हो सकते हैं।

क्षेत्र के कई शहरों और कस्बों के पुराने भवन मजबूत नहीं हैं और तेज झटकों को सहन करने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए प्रशासन को तकनीक का उपयोग करते हुए पुराने भवनों को मजबूत बनाने और आवश्यक मरम्मत में लोगों की सहायता करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

जब बड़ा भूकंप आने की तैयारी में होता है, तो उस क्षेत्र में पहले छोटे-छोटे भूकंपों की श्रृंखला देखने को मिलती है। यह प्रक्रिया महीनों या कई वर्षों तक चल सकती है।

जितना बड़ा संभावित भूकंप होगा, उसके पूर्व संकेत उतने ही व्यापक और लंबे समय तक दिखाई देंगे। इसीलिए सरकार और प्रशासन को इन कम तीव्रता वाले भूकंपों को गंभीरता से लेते हुए बिना देरी के बड़े भूकंप की तैयारी शुरू करनी चाहिए।

लूट का कारोबार बनते प्राइवेट स्कूल

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हर साल अप्रैल और मई का महीना आते ही देशभर के लाखों अभिभावकों के घरों में अदृश्य आर्थिक संकट शुरू हो जाता है। यह संकट किसी बीमारी, बेरोजगारी या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि बच्चों के नए शैक्षणिक सत्र का होता है। स्कूल खुलते ही फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, कॉपियाँ, ट्रांसपोर्ट और अलग-अलग अनिवार्य खर्चों की लंबी सूची अभिभावकों के हाथ में थमा दी जाती है। सबसे बड़ा झटका किताबों के नाम पर लगता है। जिन किताबों की वास्तविक कीमत 50 या 100 रुपये होती है, वे स्कूल द्वारा तय दुकानों पर कई गुना ज्यादा दरों में बेची जाती है। छोटे बच्चों की किताबों का पूरा सेट 7 से 8 हजार रुपये तक पहुँच जाता है। मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए यह सीधी आर्थिक लूट से कम नहीं।

विडंबना यह है कि शिक्षा को अधिकार और सेवा कहा जाता है लेकिन निजी स्कूलों ने इसे खुले बाजार का व्यापार बना दिया है। आज शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना कम और मुनाफा कमाना ज्यादा दिखाई देता है। किताबों के नाम पर जो खेल चल रहा है, वह केवल अभिभावकों की जेब काटने का मामला नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की नैतिक गिरावट का भी बड़ा उदाहरण है।

देश में एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध हैं, जो सस्ती भी हैं और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त भी। सरकार स्वयं समय-समय पर एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को लागू करने की बात करती है। फिर सवाल यह उठता है कि आखिर निजी स्कूल इन किताबों से परहेज क्यों करते हैं? इसका उत्तर सीधा है- कमीशन और मुनाफा। अनेक निजी स्कूल निजी प्रकाशकों के साथ समझौता कर लेते हैं। स्कूल अपने छात्रों पर उन्हीं प्रकाशकों की किताबें थोपते हैं और बदले में मोटा कमीशन प्राप्त करते हैं। यही कारण है कि हर साल नए संस्करण और नए पैटर्न के नाम पर किताबें बदली जाती हैं ताकि पुरानी किताबें किसी और बच्चे के काम न आ सकें।

यह केवल आर्थिक शोषण नहीं बल्कि योजनाबद्ध व्यवसायिक मॉडल है। स्कूल, प्रकाशक और कुछ बुक डिपो मिलकर ऐसा नेटवर्क बना चुके हैं जिसमें अभिभावक केवल ग्राहक बनकर रह गया है। उसे मजबूर किया जाता है कि वह किताबें केवल स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से खरीदे। यदि कोई अभिभावक बाहर से वही किताबें लेने की कोशिश करे तो या तो किताबें उपलब्ध नहीं होतीं या फिर स्कूल के शिक्षक बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि सही किताबें वही हैं जो स्कूल ने बताई हैं।

स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि कई परिवार बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं। एक मजदूर, किसान, छोटा दुकानदार या नौकरीपेशा व्यक्ति जब दो या तीन बच्चों के स्कूल खर्च का हिसाब लगाता है तो उसकी आधी कमाई केवल शिक्षा पर चली जाती है। फीस अलग, किताबें अलग, यूनिफॉर्म अलग और गतिविधियों के नाम पर अलग वसूली। यह कैसी शिक्षा व्यवस्था है जिसमें बच्चा स्कूल जाने से पहले ही परिवार पर आर्थिक बोझ बन जाता है?

सबसे दुखद बात यह है कि इस पूरे खेल में सरकार और प्रशासन अक्सर मूकदर्शक बने रहते हैं। हर साल शिकायतें होती हैं, मीडिया में खबरें आती हैं, कुछ अधिकारी बयान देते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं बदलता। शिक्षा विभाग के नियम स्पष्ट हैं कि स्कूल किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। लेकिन वास्तविकता यह है कि नियम कागजों तक सीमित हैं और निजी स्कूलों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है।

असल समस्या यह है कि शिक्षा अब सेवा नहीं, ब्रांड बन चुकी है। बड़े-बड़े निजी स्कूल खुद को ‘इंटरनेशनल’, ‘वर्ल्ड क्लास’ और ‘स्मार्ट एजुकेशन’ जैसे नामों से प्रचारित करते हैं। भव्य इमारतें, वातानुकूलित क्लास रूम व बसें और अंग्रेजी का आकर्षण दिखाकर अभिभावकों को प्रभावित किया जाता है। इस चमक-दमक के पीछे शिक्षा का असली उद्देश्य कहीं खो गया है। बच्चा कितना सीख रहा है, यह महत्वपूर्ण नहीं रह गया; महत्वपूर्ण यह हो गया है कि स्कूल कितनी कमाई कर रहा है।

विडंबना यह है कि जिन किताबों को महंगे दामों में बेचा जाता है, उनकी गुणवत्ता हमेशा बेहतर नहीं होती। कई निजी प्रकाशकों की किताबों में भाषा संबंधी गलतियाँ, अनावश्यक सामग्री और रटंत शिक्षा को बढ़ावा देने वाली सामग्री भरी होती है। दूसरी ओर एनसीईआरटी की किताबें विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जाती हैं और उनकी कीमत बेहद कम होती है। इसके बावजूद निजी स्कूल उन्हें अपनाने से बचते हैं क्योंकि वहाँ से मोटा मुनाफा नहीं मिलता।

यह केवल किताबों तक सीमित समस्या नहीं है। यूनिफॉर्म का खेल भी कम खतरनाक नहीं। स्कूल हर साल यूनिफॉर्म का डिज़ाइन थोड़ा बदल देते हैं ताकि पुराने कपड़े दोबारा इस्तेमाल न हो सके। कुछ स्कूल केवल तय दुकानों से यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव डालते हैं, जहाँ सामान्य कपड़े की कीमत कई गुना बढ़ा दी जाती है। जूते, बैग, बेल्ट, टाई और यहाँ तक कि कॉपियों तक पर स्कूलों की अनिवार्यता लागू होती है।

शिक्षा के इस बाजारीकरण ने सामाजिक असमानता को और गहरा कर दिया है। अमीर परिवार किसी तरह यह खर्च उठा लेते हैं लेकिन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह भारी मानसिक तनाव का कारण बनता है। कई बार माता-पिता अपनी जरूरतें काटकर बच्चों की फीस भरते हैं। कोई माँ अपने गहने गिरवी रखती है, कोई पिता अतिरिक्त मजदूरी करता है, कोई परिवार कर्ज में डूब जाता है। लेकिन शिक्षा माफिया के लिए यह सब केवल बिजनेस है।

प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा केवल अमीरों के लिए रह जाएगी? यदि यही स्थिति जारी रही तो भविष्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा गरीबों की पहुँच से पूरी तरह बाहर हो जाएगी। यह खतरनाक संकेत है। संविधान सभी बच्चों को समान शिक्षा का अधिकार देता है लेकिन निजी स्कूलों की मनमानी इस अधिकार को धीरे-धीरे खोखला कर रही है।

सरकार को अब केवल दिशा-निर्देश जारी करने से आगे बढ़ना होगा। सबसे पहले सभी स्कूलों में एनसीईआरटी किताबों को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। यदि अतिरिक्त सामग्री जरूरी हो तो उसकी कीमत और गुणवत्ता पर सरकार का नियंत्रण होना चाहिए। स्कूलों और निजी प्रकाशकों के बीच होने वाले आर्थिक समझौतों की जांच होनी चाहिए। जो स्कूल अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए मजबूर करें, उन पर भारी जुर्माना और मान्यता रद्द करने जैसी कार्रवाई होनी चाहिए।

इसके साथ ही जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग को नियमित निरीक्षण करने चाहिए। अभिभावकों की शिकायतों के लिए हेल्पलाइन और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। अक्सर अभिभावक डर के कारण खुलकर शिकायत नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें डर रहता है कि कहीं स्कूल उनके बच्चे को मानसिक रूप से परेशान न करे। इसलिए सरकार को अभिभावकों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करनी होगी।

समाज को भी इस मुद्दे पर जागरूक होना होगा। अभिभावकों को संगठित होकर अपनी आवाज उठानी होगी। जब तक लोग अलग-अलग डरते रहेंगे, तब तक स्कूलों की मनमानी चलती रहेगी। शिक्षा कोई लक्जरी वस्तु नहीं बल्कि मौलिक अधिकार है। इसे बाजार की वस्तु बनाना किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा को फिर से सेवा बनाया जाए, व्यापार नहीं। स्कूलों का उद्देश्य बच्चों के भीतर ज्ञान, नैतिकता और सोच विकसित करना होना चाहिए, न कि अभिभावकों की जेब खाली करना। जिस देश में करोड़ों लोग आज भी गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहे हों, वहाँ शिक्षा के नाम पर ऐसी लूट सामाजिक अपराध से कम नहीं। यह समझना होगा कि स्कूल ज्ञान के मंदिर हैं, बाजार नहीं। बच्चों की किताबें सीखने का माध्यम हैं, कमाई का साधन नहीं। जिस दिन शिक्षा व्यवस्था से लालच और कमीशन का यह खेल खत्म होगा, उसी दिन समाज सच मायनों में शिक्षित और संवेदनशील बन पाएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

तमिलनाडु: हिंदू बहुसंख्यक राज्य में भी द्रविड़ राजनीति क्यों पड़ती है भारी?

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की राजनीति को अक्सर सरल समीकरण में समझने की कोशिश की जाती है- जहाँ हिंदू आबादी अधिक होगी, वहाँ भारतीय जनता पार्टी स्वतः मजबूत होगी। लेकिन तमिलनाडु इस धारणा को चुनौती देता है। तमिलनाडु में हिंदू आबादी लगभग 85 प्रतिशत से अधिक है। राज्य मंदिरों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, फिर भी भाजपा यहाँ अब तक वैसी राजनीतिक सफलता हासिल नहीं कर पाई जो उसे उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में मिली। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों है? क्या तमिलनाडु की राजनीति धर्म से अलग किसी और आधार पर चलती है? या भाजपा राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को अब तक पूरी तरह समझ नहीं पाई?

तमिलनाडु को समझने के लिए सबसे पहले उसके राजनीतिक इतिहास को समझना जरूरी है। यह राज्य केवल चुनावी राजनीति से नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक आंदोलन से प्रभावित रहा है। बीसवीं सदी में ई. वी. रामासामी यानी पेरियार के नेतृत्व में द्रविड़ आंदोलन शुरू हुआ। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत ऊँच-नीच और उत्तर भारतीय प्रभुत्व का विरोध था। पेरियार ने तर्कवाद, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता को राजनीति का केंद्र बनाया। बाद में इसी विचारधारा से डीएमके और एआईएडीएमके जैसी शक्तिशाली पार्टियाँ उभरीं।

यही वह बिंदु है जहाँ तमिलनाडु की राजनीति बाकी भारत से अलग हो जाती है। उत्तर भारत में जहाँ धार्मिक पहचान अक्सर चुनावी राजनीति का बड़ा आधार बनती है, वहीं तमिलनाडु में ‘तमिल पहचान’ अधिक महत्वपूर्ण रही। यहाँ भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय गर्व को राजनीति के केंद्र में रखा गया। लोगों के भीतर यह भावना गहरी रही कि दिल्ली की राजनीति तमिल समाज की विशिष्टता को पूरी तरह नहीं समझती। भाजपा को कई बार इसी कारण उत्तर भारतीय पार्टी के रूप में देखा गया।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का इतिहास भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना। 1960 के दशक में जब हिंदी को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की कोशिश हुई, तब तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए। लोगों को लगा कि उनकी भाषा और संस्कृति पर खतरा है। यही आंदोलन द्रविड़ दलों को मजबूत बनाने का कारण बना। आज भी तमिल पहचान और भाषा का मुद्दा यहाँ बेहद संवेदनशील है। भाजपा भले हिंदी थोपने से इनकार करे लेकिन उसके राष्ट्रीय विमर्श को कई लोग हिंदी और उत्तर भारतीय संस्कृति के प्रभाव से जोड़कर देखते हैं।

यह कहना गलत होगा कि तमिलनाडु में हिंदू धर्म का प्रभाव नहीं है। राज्य में प्रसिद्ध मंदिरों की लंबी परंपरा है- मीनाक्षी अम्मन मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और बृहदीश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं बल्कि तमिल संस्कृति और गौरव का हिस्सा भी हैं। लेकिन तमिलनाडु में धार्मिक आस्था का अर्थ हमेशा राजनीतिक हिंदुत्व नहीं रहा। यहाँ लोग मंदिरों में गहरी श्रद्धा रखते हैं लेकिन वोट देते समय क्षेत्रीय हित, सामाजिक न्याय और स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देते हैं।

भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि वह लंबे समय तक तमिलनाडु में मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार नहीं कर पाई। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, गुजरात में नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान समय-समय पर भाजपा की क्षेत्रीय ताकत का चेहरा बने। लेकिन तमिलनाडु में दशकों तक पार्टी के पास ऐसा कोई जनाधार वाला नेता नहीं था जो आम तमिल मतदाता से भावनात्मक जुड़ाव बना सके। हाल के वर्षों में के. अन्नामलाई ने भाजपा को नई ऊर्जा दी है लेकिन अभी भी पार्टी का संगठन राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में उतना मजबूत नहीं जितना द्रविड़ दलों का है।

तमिलनाडु की राजनीति में सामाजिक न्याय और आरक्षण का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है। द्रविड़ आंदोलन ने पिछड़े वर्गों और गैर-ब्राह्मण समुदायों को राजनीतिक शक्ति दी। यही कारण है कि राज्य में सामाजिक न्याय की राजनीति बहुत गहराई से स्थापित हो चुकी है। भाजपा की छवि लंबे समय तक अलग रही है। हालांकि भाजपा ने अब पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों तक पहुँच बढ़ाने की कोशिश की है लेकिन तमिलनाडु में द्रविड़ दलों की सामाजिक पकड़ अब भी ज्यादा मजबूत है।

इसके अलावा तमिलनाडु में कल्याणकारी राजनीति का मॉडल भी दूसरे दलों के लिए चुनौतीपूर्ण है। मुफ्त राशन, महिला सहायता योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ, स्वास्थ्य सेवाएँ और सब्सिडी जैसी योजनाओं ने द्रविड़ दलों को जनता से गहराई से जोड़े रखा। यहाँ मतदाता केवल वैचारिक मुद्दों पर नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सुविधाओं और राज्य सरकार की योजनाओं के आधार पर भी वोट करते हैं। भाजपा का राष्ट्रीय विकास मॉडल लोगों को आकर्षित करता है लेकिन तमिलनाडु में स्थानीय कल्याणकारी राजनीति की पकड़ बहुत मजबूत है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि तमिलनाडु में राजनीति का भावनात्मक केंद्र ‘क्षेत्रीय स्वाभिमान’ रहा है। यहाँ लोग खुद को पहले तमिल मानते हैं- हालाँकि इसका अर्थ अलगाववाद नहीं बल्कि सांस्कृतिक गर्व है। भाजपा का राष्ट्रवादी विमर्श कई बार इस क्षेत्रीय अस्मिता से टकराता दिखाई देता है। द्रविड़ दल इस भावना को लगातार मजबूत करते रहे हैं कि वे ‘तमिल हितों’ के असली रक्षक हैं।

यह भी सच है कि भाजपा पूरी तरह कमजोर नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ा है। शहरी क्षेत्रों, शिक्षित युवाओं और कुछ मध्यमवर्गीय समूहों में पार्टी ने अपनी उपस्थिति मजबूत की है। सोशल मीडिया और राष्ट्रवादी मुद्दों के माध्यम से भाजपा ने राज्य में नई राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की है। लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ना और सत्ता तक पहुँचना दोनों अलग बातें हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ दलों का संगठनात्मक नेटवर्क, बूथ स्तर की पकड़ और दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति भाजपा के लिए बड़ी बाधा बनी हुई है।

इसके साथ ही गठबंधन की राजनीति भी एक महत्वपूर्ण कारण है। तमिलनाडु में चुनाव अक्सर बड़े गठबंधनों के आधार पर लड़े जाते हैं। द्रविड़ दलों ने समय-समय पर राष्ट्रीय पार्टियों को अपने साथ जोड़कर चुनावी समीकरण मजबूत किए। भाजपा कभी एआईएडीएमके के साथ रही लेकिन यह गठबंधन उसे व्यापक जनसमर्थन में तब्दील नहीं करा पाया। कई मतदाता भाजपा को सहयोगी पार्टी के रूप में स्वीकार करते हैं लेकिन मुख्य शक्ति के रूप में नहीं।

तमिलनाडु की राजनीति यह भी दिखाती है कि भारत केवल धार्मिक पहचान से नहीं चलता। यहाँ भाषा, संस्कृति, जातीय संरचना, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय भावनाएँ मिलकर राजनीति को आकार देती हैं। यही कारण है कि हिंदू बहुसंख्यक होने के बावजूद राज्य में भाजपा को वैसी सफलता नहीं मिली जैसी उत्तर भारत के कई राज्यों में मिली।

दरअसल, तमिलनाडु भारतीय लोकतंत्र का अलग अध्याय है। यहाँ मंदिर भी हैं, आस्था भी है, धार्मिक परंपराएँ भी हैं लेकिन राजनीति का केंद्र केवल धर्म नहीं है। यहाँ मतदाता अपनी क्षेत्रीय पहचान, सामाजिक अधिकारों और स्थानीय मुद्दों को भी उतनी ही गंभीरता से देखते हैं। भाजपा यदि तमिलनाडु में मजबूत होना चाहती है तो उसे केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर तमिल समाज की सांस्कृतिक संवेदनाओं, भाषा, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को गहराई से समझना होगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अब एक नए युग में प्रवेश कर रही है भारत की अंतरिक्ष यात्रा

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक नए युग में प्रवेश कर रही है, जहां उसके सपने उपग्रह प्रक्षेपण या चंद्रमा-मंगल तक सीमित नहीं रह गए हैं, लक्ष्य है; अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना बनाना। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा प्रस्तावित ‘भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन’ (बीएएस) इसी महत्वाकांक्षा का प्रतीक है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां वह उपग्रह प्रक्षेपण और चंद्र मिशनों के आगे मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में उड़ान भरने को उद्यत है, इसलिए भारत आज इसके अगले चरण स्वदेशी स्पेस स्टेशन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स के निदेशक ए. पकीराज के अनुसार, भारत इसके लिए रूस के दशकों पुराने अनुभव का लाभ उठाना चाहता है। विशेष रूप से कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई, कम्युनिकेशन और ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण सब-सिस्टम में दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। निश्चित ही यह सहयोग विज्ञान में सामरिक और दीर्घकालिक साझेदारी का संकेत भी है।

कोई प्रश्न खड़ा कर सकता है कि रूस का सहयोग ही क्यों लेना? तब इसका सीधा उत्तर यह है कि भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का इतिहास अत्यंत समृद्ध और भरोसेमंद रहा है। वर्ष 1975 में भारत का पहला उपग्रह आर्यभट सोवियत संघ की सहायता से ही प्रक्षेपित किया गया था। इसके बाद 1984 में राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजने में भी सोवियत संघ (अब रूस) ने अहम भूमिका निभाई थी। यह भारत के अंतरिक्ष इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण था।

इसके अलावा क्रायोजेनिक इंजन तकनीक के विकास में रूस का सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वर्तमान में चल रहे गगनयान मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों (व्योमयानियों) के प्रशिक्षण में भी रूस की भूमिका निर्णायक रही है। यह दीर्घकालिक सहयोग अब इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन परियोजना के माध्यम से एक नए आयाम में प्रवेश कर सकता है।

फिलहाल इसरो की योजना के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन वर्ष 2035 तक तैयार हो जाएगा। इसे पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा और इसका झुकाव 51.6 डिग्री होगा। यह संरचना काफी हद तक रूस के प्रस्तावित रशियन ऑर्बिटल स्टेशन (आरओएस) के समान होगी। क्योंकि इस ऊंचाई और झुकाव का चयन वैज्ञानिक अनुसंधान, पृथ्वी अवलोकन और अंतरिक्ष प्रयोगों के लिए उपयुक्त माना जाता है।

यहां सबसे अधिक इस सफलता के साथ जुड़ी अच्छी बात यह है कि ‘भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन’ का निर्माण भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा, जिनके पास अपना स्वतंत्र मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन हैं। वर्तमान में चीन के पास ही सक्रिय मानवयुक्त स्पेस स्टेशन है, जबकि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को 2030-31 तक डीकमीशन किए जाने की योजना है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नए स्पेस स्टेशनों की आवश्यकता और सहयोग के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

यहां उल्लेखित यह भी है कि इसरो का गगनयान मिशन भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा। इस मिशन के सफल होने के बाद ‘भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन’ परियोजना को और गति मिलेगी। गगनयान, ‘भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन’ के लिए एक आधार तैयार करेगा, जहां भारत मानव जीवन समर्थन प्रणाली, अंतरिक्ष में दीर्घकालिक निवास और वैज्ञानिक प्रयोगों का अनुभव प्राप्त करेगा।

वर्तमान समय में निश्चित ही यह हर भारतीय के लिए गौरव की बात है कि भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों ने वैश्विक स्तर पर अपनी विश्वसनीयता सिद्ध की है। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना दिया। इससे पहले मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहली ही कोशिश में पहुंचने वाला पहला देश बना दिया था।

वस्तुत- इन मिशनों ने न सिर्फ भारत की वैज्ञानिक क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले अंतरिक्ष कार्यक्रमों का एक वैश्विक मॉडल भी प्रस्तुत किया। यही दक्षता ‘भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन’ परियोजना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यहां इसकी चर्चा भी आवश्यक है क इसरो ने अपने प्रक्षेपण यानों के क्षेत्र में भी व्यापक प्रगति की है। जीएसएलवी एमके III (अब एलवीएम3) भारत का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जिसका उपयोग गगनयान मिशन में किया जाएगा।

इसके अलावा पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) ने विश्वसनीयता का एक नया मानक स्थापित किया है और यह विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए भी एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। इतना ही नहीं भारत अब निजी क्षेत्र को भी अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल कर रहा है, जिससे नवाचार और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन-स्पेस और एनएसआईएल जैसे संस्थानों के माध्यम से स्टार्टअप्स और निजी कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

लेबनान के खिलाफ इतिहास रचने उतरेगी भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

एजेंसी

सूज़ोउ। भारत 8 मई को भारतीय समयानुसार 13:00 बजे चीन में सूज़ोउ ताइहू फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर पिच 8 पर अपने अंतिम ग्रुप बी मुकाबले में लेबनान से भिड़ेगा। इस मुकाबले में जीत भारत को टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहली बार ऐतिहासिक जगह दिला सकती है। भारत के पास एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का एक अंतिम मौका है। गोलकीपर मुन्नी ने पिच 6 पर हुए ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा, 'कल हमारा ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच है और अगर हम जीतते हैं तो हम क्वालिफाई कर जाएंगे। ट्रेनिंग के बाद हमारी भावना अच्छी है। हमें विश्वास है कि हम यह मैच जीत सकते हैं, इसलिए हमें पूरी तरह फोकस रहना होगा।' ऑस्ट्रेलिया (0-2) और जापान (0-3) के खिलाफ हार के बावजूद यंग टाइग्रेस अब भी नॉकआउट की दौड़ में बनी हुई हैं, जहां वे दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल हो सकती हैं। भारत का गोल अंतर फिलहाल -5 है, जो ग्रुप सी की फिलीपींस (-13) और चीनी ताइपे (-14) से बेहतर है, जो अंतिम मैचडे पर आमने-सामने होंगे। ऐसे में, यदि भारत लेबनान को हराता है, तो इन टीमों को भारत से आगे निकलने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। इसके अलावा यदि गुरुवार शाम ग्रुप ए में वियतनाम और म्यांमार के बीच मुकाबला ड्रॉ रहता है या म्यांमार तीन गोल से कम अंतर से जीतता है, तो भारत की जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी।

राष्ट्रीय खेल महासंघ सम्मेलन भारत की वैश्विक खेल तैयारियों की दिशा में समन्वित कदम : मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय खेल महासंघ सम्मेलन 2026 को भारत की आगामी वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन एशियाई खेल 2026, राष्ट्रमंडल खेल 2026 और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक समन्वित कदम है।डॉ. मांडविया ने कहा, 'राष्ट्रीय खेल महासंघ सम्मेलन भारत की आगामी वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी की दिशा में एक समन्वित कदम है। भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए दीर्घकालिक योजना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, मजबूत खेल अवसंरचना और खिलाड़ियों को निरंतर सहयोग देना आवश्यक है।' उन्होंने खिलाड़ियों, महासंघों और सरकार के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, 'भारत का खेल भविष्य खिलाड़ियों, महासंघों और सरकारों के बीच मजबूत समन्वय पर निर्भर करता है।' खेल मंत्री ने महासंघों में पारदर्शिता और खिलाड़ी-केंद्रित प्रशासन को प्राथमिकता देने की बात कही।

लोकप्रियता या पैसे की बात नहीं, हर खेल की छोटी-बड़ी सफलता का जश्न मनाया जाना चाहिएः सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी

नई दिल्ली । भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने उन लोगों को जवाब दिया है जिन्होंने थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के लिए सार्वजनिक रूप से स्वागत में कमी पर दिए उनके बयान का गलत मतलब निकाला था। 2022 में चैंपियन रही भारतीय टीम ने 2026 थॉमस कप में कांस्य पदक जीता, लेकिन घर वापसी के बाद इस उपलब्धि का जश्न नहीं मनाया गया। सात्विक ने थॉमस कप में हिस्सा लेने के लिए हॉर्सेस गई टीम और घर लौटने की दो तस्वीरें शेयर की थीं, साथ में कैप्शन लिखा था, 'यह कैसे शुरू हुआ, यह कैसे चल रहा है। ऐसा देखा गया कि टीम के लिए कोई बड़ी विदाई या स्वागत नहीं हुआ।' सोशल मीडिया पर उनके इस टिप्पणी को निजी उपलब्धि के लिए माना गया। इस पर रंकीरेड्डी ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों में हमारे थॉमस कप कांस्य पदक के लिए रिसेप्शन न होने के बारे में मेरे हाल के कमेंट्स पर बहुत ध्यान गया है। हालांकि मैं इतने ज्यादा समर्थन और हिम्मत के लिए शुक्रगुजार हूं। मैं अपना इरादा साफ करना चाहता हूं क्योंकि मैं देख रहा हूं कि बहुत से लोग असली बात से भटक रहे हैं।

इटैलियन ओपनः लियोलिया को शिकस्त देकर पाओलिनी ने बनाई तीसरे राउंड में जगह

रोम । मौजूदा चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी ने इटैलियन ओपन के अपने पहले मुकाबले में कड़ी चुनौती का सामना करते हुए क्वालीफायर लियोलिया जीनजीन को 6-7(4), 6-2, 6-4 से मात देकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। यह रोमांचक मुकाबला 2 घंटे 55 मिनट तक चला। 9वीं वरीयता प्राप्त इटली की स्टार खिलाड़ी ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के दौरान 54 विनर्स लगाए, लेकिन साथ ही 57 अनफोर्स्ड एरर्स भी किए। पूरे मुकाबले में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिससे दर्शक कभी उनके खेल से उत्साहित नजर आए तो कभी निराश, क्योंकि वे अपनी शीर्ष रैंकिंग वाली घरेलू खिलाड़ी को तीसरे दौर में पहुंचते देखने की उम्मीद लगाए बैठे थे। पाओलिनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं थोड़ी घबराई हुई थी। बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए। उन्होंने बहुत बढ़िया मैच खेला। यह एक कठिन मुकाबला था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं डटी रही और पहले कठिन सेट के बाद वापसी करने में सफल रही।'

इनामी राशि नहीं बढ़ी तो खिलाड़ी कर सकते हैं फ्रेंच ओपन 2026 का बहिष्कार

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2026 की इनामी राशि को लेकर खिलाड़ियों और आयोजकों के बीच विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। खिलाड़ियों का कहना है कि टूर्नामेंट की कमाई में उन्हें उचित हिस्सा नहीं दिया जा रहा, जिसके चलते अब बहिष्कार तक की बात सामने आने लगी है। विश्व नंबर एक यानिक सिनर ने साफ कहा कि खिलाड़ी खुद को सम्मानित महसूस नहीं कर रहे हैं और यदि इनामी राशि में बढ़ोतरी नहीं हुई तो फ्रेंच ओपन के बहिष्कार पर विचार किया जा सकता है। महिला टेनिस स्टार आर्यना सबालेंका ने मंगलवार को खिलाड़ियों के पक्ष में खुलकर समर्थन जताते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को टूर्नामेंट की कुल कमाई का 15 प्रतिशत से भी कम हिस्सा मिल रहा है, जबकि

उनकी मांग 22 प्रतिशत हिस्सेदारी की है। मौजूदा रोलां गैरों चैंपियन कोको गॉफ ने भी खिलाड़ियों के रुख का समर्थन किया। खिलाड़ियों का मानना है कि टेनिस जैसे बड़े खेल में उनकी मेहनत के मुकाबले आर्थिक हिस्सेदारी काफी कम है। विवाद तब और बढ़ गया जब फ्रेंच ओपन आयोजकों ने कुल इनामी राशि में 9.5 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए इसे 6 करोड़ 17 लाख यूरो कर दिया। हालांकि खिलाड़ियों ने कहा कि इससे वास्तविक समस्या हल नहीं होती। खिलाड़ियों की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया, 'टूर्नामेंट की कुल आय में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत थी, जो 2026 में घटकर अनुमानित 14.9 प्रतिशत रह जाएगी।' दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने भी इस मुद्दे पर खुलकर खिलाड़ियों का समर्थन किया और खासतौर पर सबालेंका की तारीफ की। जोकोविच ने कहा, 'मुझे खुशी है कि हमारे खेल के बड़े खिलाड़ी आगे आकर टेनिस की राजनीति और उसकी बारीकियों को समझ रहे हैं। सबालेंका सिर्फ अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि सभी खिलाड़ियों के हित के लिए आवाज उठा रही हैं।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यही असली नेतृत्व है। मुझे उम्मीद है कि वह इसी तरह खिलाड़ियों की आवाज उठाती रहेंगी। मैं उनके इस कदम को सलाम करता हूं।' जोकोविच लंबे समय से खिलाड़ियों के अधिकारों को लेकर मुखर रहे हैं। वह प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन (पीटीपीए) के संस्थापकों में शामिल हैं। पीटीपीए का मानना है कि फ्रेंच ओपन इनामी राशि विवाद यह साबित करता है कि टेनिस व्यवस्था में बड़े सुधार की जरूरत है।

आईपीएल 2026 : पर्पल कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंचे प्रिंस यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में प्रिंस यादव ने शानदार गेंदबाजी से पर्पल कैप की दौड़ को और रोमांचक बना दिया है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 9 रन से हराया, जिसमें प्रिंस यादव ने अहम भूमिका निभाई।

प्रिंस यादव ने मुकाबले में तीन विकेट झटके और सीजन में अपने कुल विकेटों की संख्या 16 तक पहुंचा दी। उन्होंने मैच में सबसे बड़ा झटका विराट कोहली को दिया, जिन्हें उन्होंने दूसरी ही गेंद पर शून्य पर आउट कर दिया। 16 विकेट के साथ प्रिंस अब पर्पल कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके बराबर विकेट कगिसो रबाडा और ईशान मलिंगा के भी हैं, लेकिन बेहतर इकॉनमी रेट के कारण प्रिंस उनसे आगे हैं। प्रिंस की इकॉनमी 8.08 है, जबकि रबाडा की 9.23 और मलिंगा की 9.44 रही है। पर्पल कैप की रेस में फिलहाल भुवनेश्वर कुमार और अंशुल कंबोज संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

के नाम 17-17 विकेट दर्ज हैं। हालांकि लखनऊ के खिलाफ मुकाबले में भुवनेश्वर कोई विकेट नहीं ले सके। ऑरेंज कैप की रेस में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला। विराट कोहली बिना खाता खोले आउट होने के कारण 379 रन के साथ नौवें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं मिचेल मार्श ने शानदार शतक लगाकर लंबी छलांग लगाई। उन्होंने 56 गेंदों में 111 रन की पारी खेली, जिसके बाद उनके कुल रन 367 हो गए और वह 12वें स्थान पर पहुंच गए।

एस्टन विला ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को रौंदकर यूरोपा लीग फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

बर्मिंघम। एस्टन विला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉटिंघम फॉरेस्ट को 4-0 से हराकर यूरोपा लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो चरणों के सेमीफाइनल में एस्टन विला ने कुल 4-1 से जीत दर्ज की। अब फाइनल में एस्टन विला का सामना फ्राइबर्ग से 20 मई को इस्तांबुल में होगा। फ्राइबर्ग ने दूसरे सेमीफाइनल में ब्रागा को 3-1 से हराकर कुल 4-3 से मुकाबला अपने नाम किया।

पहले चरण में 0-1 से पिछड़ने के बाद कोच उनाई एमरी की टीम ने घरेलू मैदान विला पार्क में आक्रामक शुरुआत की। मैच के 36वें मिनट में ओली वॉटकिंस ने एमिलियानो बुएंदिया के शानदार मूव के बाद आसान गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 58वें मिनट में एमिलियानो बुएंदिया ने पेनल्टी पर गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। नॉटिंघम के खिलाड़ी निकोला मिलेंकोविच द्वारा पाउ टोरेस की जर्सी खींचने पर रेफरी ने पेनल्टी दी थी।

इसके बाद कप्तान जॉन मैकगिन ने 77वें और 80वें मिनट में लगातार

दो गोल कर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनके गोल के बाद स्टेडियम में मौजूद करीब 43 हजार दर्शक खुशी से झूम उठे। मुकाबला देखने पहुंचे ब्रिटेन के प्रिंस विलियम भी एस्टन विला की जीत का जश्न मनाते नजर आए।

एस्टन विला ने 1982 में यूरोपीय चैंपियन का खिताब जीता था, जबकि टीम ने आखिरी बार 1996 में लीग कप जीतकर कोई बड़ी ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब चार बार यूरोपा लीग जीत चुके उनाई एमरी की नजर इंग्लिश क्लब के साथ पहली बार यह खिताब जीतने पर होगी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में पूरे किए 100 गोल, अल-नस्र की शानदार जीत

एजेंसी

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल दागकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। रोनाल्डो के गोल की बदौलत अल-नस्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने मैच के 75वें मिनट में सादियो माने के क्रॉस पर शानदार फिनिश करते हुए यह खास मुकाम हासिल किया। यह उनके पेशेवर करियर का 971वां गोल भी रहा। मौजूदा सत्र में रोनाल्डो अब तक 26 लीग गोल कर चुके हैं।

अल-नस्र के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने मैच के बाद कहा, 'रोनाल्डो हमेशा आक्रमण में खतरनाक साबित होते हैं और आज भी उन्होंने यह दिखा दिया।' इस मुकाबले में जुआओ फेलिक्स ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे। जुलाई में चेल्सी से टीम में शामिल हुए फेलिक्स लगातार बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं।

इस जीत के साथ अल-नस्र ने 32 मैचों में 82 अंक हासिल कर लिए हैं और वह दूसरे स्थान पर

मौजूद अल-हिलाल से पांच अंक आगे निकल गया है। हालांकि अल-हिलाल के पास अभी तीन मैच बाकी हैं। अब अल-नस्र का अगला मुकाबला अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल के खिलाफ होगा, जिसे लीग खिताब की दौड़ में निर्णायक माना जा रहा है।

कोच जॉर्ज जीसस ने कहा, 'यह डर्बी मुकाबला बेहद अहम है। हम पूरी एकाग्रता के साथ इसकी तैयारी कर रहे हैं क्योंकि छोटे-छोटे पल मैच का परिणाम तय कर सकते हैं। 'पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्र से जुड़ने के बाद से अभी तक सऊदी अरब में कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सके हैं।

आईपीएल मुकाबलों के लिए अपने दूसरे घर धर्मशाला पंहुची पंजाब किंग्स की टीम

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाले आईपीएल के आगामी तीन मुकाबलों के लिए पंजाब किंग्स की टीम अपने दूसरे घर धर्मशाला पंहुच गई है। वीरवार को तय कार्यक्रम के मुताबिक शाम करीब साढ़े पांच बजे विशेष विमान से कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में टीम के खिलाड़ी गगल एयरपोर्ट पंहुचे जहां से सभी खिलाड़ी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच धर्मशाला के कंडी स्थित होटल रवाना हो गए।

इसे पूर्व पंजाब किंग्स की टीम का गगल हवाई अड्डे पर हिमाचली संस्कृति से स्वागत किया गया। इसके बाद पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों को स्पेशल बसों के द्वारा कांगड़ा हवाई अड्डे से धर्मशाला के लिए रवाना किया गया। इस दौरान पंजाब किंग्स के कैप्टन श्रेयस अय्यर, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मारको जॉनसन, हरप्रीत बर्रार, मार्कस स्टोइनिस, शशांक सिंह, जोश इंग्लिश आदि खिलाड़ी नजर आए। अपने

पंसदीदा क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमीयों ने एयरपोर्ट में खिलाडियों का जोरदार स्वागत किया, और उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश भी की। लेकिन, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते किसी को भी खिलाडियों के साथ सेल्फी लेने की अनुमति नहीं दी। वहीं इन क्रिकेट खिलाडियों के एक झलक पाने के लिए क्रिकेट प्रेमियों का हजूम लगा हुआ था, लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते किसी भी व्यक्ति को सुरक्षा घेरे में नही जाने दिया गया।

धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 11 मई को खेले जाने वाले मैच को लेकर मेजबान टीम तीन दिनों तक अभ्यास करेगी। एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब की टीम शाम छह से नौ बजे तक आठ से 10 मई तीन दिन तक शाम छह से रात नौ बजे तक प्रैक्टिस करती नजर आएगी। जबकि सभी की नजरें अब धर्मशाला में होने वाले 11 मई को पंजाब किंग्स के साथ दिल्ली कैपिटल्स के रोमांचक मुकाबले पर टिकी हैं। इसमें पंजाब की नज़रें अब लगातार तीन हार के बाद जीत का क्रम वापिस लाने की तरफ होंगी। इसके बाद 14 मई को पंजाब मुंबई इंडियंस के साथ व 17 मई को मेजबान को पूर्व चैंपियन आरसीबी के साथ मुकाबला खेलेगी।

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, श्रेयस अय्यर (कप्तान), जोश इंगलिस (विकेटकीपर), नेहल बढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसेन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, हरप्रीत बरार, विशाख विजयकुमार, मिच ओईन, विष्णु विनोद, यश ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, अजमतुल्लाह उमरजई, हरनूर पन्नू, कुलदीप सेन, मुशीर खान, कूपर कोनली, बेन डिवॉसि, जेवियर बार्टलेट, पाइला अविनाश व प्रवीण दुबे शामिल हैं। वहीं धर्मशाला में पंजाब के साथ खेले जाने वाले पहले मुकाबले के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 9 मई को धर्मशाला पंहुचेंगी। 11 मई को खेले जाने वाला यह मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा।

मैग्नस कार्लसन ने अर्जुन एरिगैसी को हराकर 'टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026' का खिताब जीता

एजेंसी

माल्मो। विश्व नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को सडन डेथ प्लेऑफ में हराकर 'टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026' का खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्य टूर्नामेंट में अपराजित रहने वाले अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। टाईब्रेकर की दो बाजियों में दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक जीत दर्ज की, जिसके बाद मुकाबला सडन डेथ तक पहुंचा, जहां कार्लसन ने बाजी मार ली। यह दूसरी बार है जब अर्जुन इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने से चूक गए। इससे पहले 2024 में भी वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे थे। अर्जुन अंतिम राउंड में 4.5/6 अंकों के साथ एकल बढ़त पर थे, जबकि कार्लसन और यागिज कान एरदोगमुस उनसे आधा अंक पीछे थे। अगर अर्जुन अंतिम राउंड में एंडी

वुडवर्ड को हरा देते तो वह सीधे चैंपियन बन जाते, लेकिन मुकाबला ड्रॉ रहने के कारण कार्लसन को बराबरी का मौका मिल गया।

दूसरी ओर कार्लसन ने अंतिम राउंड में एरदोगमुस को हराकर अर्जुन की बराबरी कर ली और टूर्नामेंट को प्लेऑफ तक पहुंचा दिया।

आईपीएल 2026 : लगातार 6 हार के बाद लखनऊ की दमदार वापसी, आरसीबी को 9 रन से हराया

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार छह हार झेलने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने आखिरकार जीत की राह पकड़ ली। इकाना स्टेडियम में खेले गए बारिश से प्रभावित मुकाबले में लखनऊ ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 9 रन से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। बारिश के कारण मुकाबला 19-19 ओवर का किया गया था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम ने 19 ओवर में 3 विकेट पर 209 रन बनाए। बाद में संशोधित लक्ष्य 213 रन कर दिया गया। जवाब में बेंगलुरु की टीम निर्धारित

ओवरों में 6 विकेट पर 203 रन ही बना सकी। लखनऊ की जीत के सबसे बड़े नायक रहे मिचेल मार्श, जिन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 111 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 9 छक्के लगाए। मार्श ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और बेंगलुरु के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। उनके अलावा निकोलस पूरन ने 38 रन और कप्तान ऋषभ पंत ने नाबाद 32 रन का योगदान दिया।बेंगलुरु की ओर से जोश हैजलवुड, क्रुणाल पांड्या और रसिख सलाम दार को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में ही विराट कोहली और जैकब बैथल के विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार ने 50 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल के साथ अहम साझेदारी की।आखिर के ओवरों में टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड ने ज रन जरूर बनाए, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। लखनऊ की ओर से युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए। उन्होंने विराट कोहली, जितेश शर्मा और देवदत्त पडिक्कल जैसे अहम बल्लेबाजों को आउट कर मैच का रुख बदल दिया।

बरेका में अंडर-17 बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शानदार आगाज

एजेंसी

वाराणसी के बनारस रेल इंजन कारखाना ((बरेका) में अंडर-17 बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता की शुरुआत हो गई। चार दिवसीय यह प्रतियोगिता 7 से 10 मई तक आयोजित की जाएगी, जिसमें शहर की सात प्रमुख टीमों की खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन बरेका के जनसंपर्क अधिकारी एवं सचिव बास्केटबॉल राजेश कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

उद्घाटन अवसर पर राजेश कुमार ने कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाकर खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में राजर्षि क्लब, सनबीम सन सिटी, बरेका, सिगरा स्टेडियम, संत अतुलानंद (होलापुर), सनबीम भगवानपुर और सनबीम वरुणा की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में राजर्षि क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सनबीम सन सिटी को 38-03 से हराया। दूसरे मैच में बरेका टीम ने सिगरा स्टेडियम को 44-15 से पराजित किया। वहीं तीसरे मुकाबले में संत अतुलानंद (होलापुर) की टीम ने सनबीम भगवानपुर को 31-11 से हराकर जीत दर्ज की। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखने लायक

रही। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सचिव संस्थान आलोक कुमार सिंह, कोच एल.के. बिस्वाल, बाबी सिंह समेत कई खेल अधिकारी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

महिला क्रिकेट में बड़ी सफलता, छग की संभावित टीम में रूखसाना एवं वीरता का चयन

एजेंसी

रायगढ़। बीसीसीआई द्वारा महिला क्रिकेट को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसमें महिला सीनियर एवं अंडर 23 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ की महिला क्रिकेट की संभावित टीम में रायगढ़ की रूखसाना खातून एवं वीरता चौहान का चयन हुआ है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचन्द्र शर्मा ने गुरुवार को बताया कि अंडर 23 एवं महिला टीम के चयन हेतु 5 टीमों का गठन किया गया है। जिसमें इस्ट जोन, रेस्ट जोन, नार्थ जोन व साउथ जोन, सेन्ट्रल जोन टीम बनाई गई है। इसमें वीरता एवं रूखसाना का इस्ट जोन के लिए चयन किया गया है। जो संभावित टीम में मैच खेलेंगी। जो टी 20 के आधार पर खेला जाएगा। प्रत्येक टीम चार मैच खेलेगी प्रदर्शन के आधार पर छत्तीसगढ़ की अंडर 23 व सीनियर महिला टीम का गठन होगा। यह मैच भिलाई के कल्याण कॉलेज मैदान और सेक्टर 10 मैदान में खेले जाऐंगे। इनके चयन पर इस शानदार सफलता पर अध्यक्ष संतोष पाण्डेय सचिव रामचन्द्र शर्मा, किशोर पटनायक, पंकज बोहिदार, संतोष मिश्रा, महेश्वर मिश्रा, जफर उल्लाह सिद्धीकी, वरिष्ठ अम्पायर विशाल सिंघानिया, महेश वर्मा, कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, महेन्द्र साव, राजा गोरख, अभिषेक गुप्ता, शानू भयानी, हिमांशु चावड़ा, महेश दधिची, चंद्रेश यादव, संतोष गुप्ता आदि ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए आने वाले मैचों हेतु शुभकामनाएं दी है।

केकेआर के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने की वरुण चक्रवर्ती की तारीफ, बल्लेबाजी को लेकर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की तारीफ करते हुए कहा कि किसी को भी उनकी क्षमता पर संदेह नहीं था। ब्रावो ने स्वीकार किया कि टीम की बल्लेबाजी निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले मुकाबले से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'खेल पूरी तरह परिणाम आधारित और भावनात्मक होता है। वरुण विश्वस्तरीय स्पिनर हैं और वर्ल्ड कप के बाद काफी व्यस्त कार्यक्रम से लौटे थे। सही समय पर ब्रेक मिलना जरूरी होता है। जब खिलाड़ी इतना अच्छा हो तो फॉर्म में वापसी सिर्फ समय की बात होती है।' ब्रावो ने कहा कि टीम प्वाइंट टेबल को लेकर ज्यादा दबाव में नहीं है और फिलहाल हर मुकाबले को 'करो या मरो' की तरह खेल रही है। उन्होंने कहा, 'हम पॉइंट्स टेबल के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे। कोचिंग स्टाफ का साफ संदेश है कि हर मैच को आखिरी मैच की

तरह खेलना है। शुरुआत खराब रही थी, लेकिन पिछले तीन मुकाबलों में टीम के प्रदर्शन में सुधार दिखा है और इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है।'

ब्रावो ने माना कि इस सीजन में स्पिनरों और तेज गेंदबाजों दोनों ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, 'कुछ मैच तेज गेंदबाजों के होते हैं और कुछ स्पिनरों के। आंकड़े देखें तो सातवें से 20वें ओवर के बीच हमारी गेंदबाजी काफी मजबूत रही है, जिसका बड़ा कारण हमारी स्पिन यूनिट है। हमारे पास तीन बेहतरीन स्पिनर हैं, लेकिन तेज गेंदबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है।'

मथीशा पथिराना की फिटनेस पर अपडेट

मथीशा पथिराना की वापसी पर ब्रावो ने कहा कि वह खेलने के करीब हैं, लेकिन टीम कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती।

उन्होंने कहा, 'हम सभी उन्हें मैदान पर देखना चाहते हैं, लेकिन उनकी चोट को देखते हुए सही समय पर वापसी जरूरी है। उनकी मौजूदगी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।'

युवा गेंदबाजों की तारीफ

ब्रावो ने कार्तिक त्यागी समेत युवा गेंदबाजों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'त्यागी में काफी प्रतिभा और ऊर्जा है। वह लगातार सीखना चाहता है और सवाल पूछता रहता है। हमारा फोकस सिर्फ गेंदबाजी कराने पर नहीं, बल्कि सही योजना और रणनीति के साथ गेंदबाजी सिखाने पर है।'

बल्लेबाजी अब भी चिंता का विषय

उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो बल्लेबाजी चिंता का विषय है और यही वजह है कि हम इस स्थिति में हैं। हालांकि यह प्रयास की कमी नहीं है। बल्लेबाज मेहनत कर रहे हैं, लेकिन कभी-कभी शॉट चयन और किस्मत भी फर्क डालती है। मुझे विश्वास है कि जब बल्लेबाजी क्लिक करेगी तो इस टीम को रोकना मुश्किल होगा।'

पीएमईजीपी से 36.33 लाख लोगों के रोजगार का सृजन : सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने 15वें वित्त आयोग के चक्र वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के दौरान चार लाख से अधिक सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना में सहायता की। साथ ही लगभग 36.33 लाख लोगों के लिए रोज़गार के अवसर सृजित किए हैं, जिसे खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से लागू किया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी बयान में यह जानकारी दी है। आधिकारिक बयान के अनुसार इस योजना ने संभावित उद्यमियों को बैंक ऋणों पर 'मार्जिन मनी' सब्सिडी के माध्यम से गैर-कृषि क्षेत्र में नए सूक्ष्म-उद्यम स्थापित करने में सहायता प्रदान की, जिसका मुख्य ज़ोर स्वरोज़गार सृजन और ग्रामीण आजीविका पर था। मंत्रालय ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल (वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26) के दौरान, पीएमईजीपी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जो देश के सूक्ष्म उद्यम परितंत्र को मजबूत करने में इसके योगदान की पुष्टि करता है। इस योजना ने 13,554.42 करोड़ रुपये के स्वीकृत बजटीय आवंटन का पूर्ण उपयोग किया और 4,03,706 सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना को सुगम बनाया, जो 4,02,000 उद्यमों के लक्ष्य से कहीं अधिक है।

टाटा पंच बनी देश की नंबर-1 एसयूवी, फ्रॉन्क्स ने बढ़ाई दिग्गजों की चिंता, क्रेटा भी रह गई पीछे

नई दिल्ली। भारतीय वाहन बाजार में एसयूवी गाड़ियों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है और अप्रैल 2026 के बिक्री आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि ग्राहकों की पसंद अब तेजी से बदल रही है। इस बार बिक्री के मोर्चे पर सबसे बड़ा धमाका टाटा पंच ने किया है। दमदार सुरक्षा, आकर्षक डिजाइन और किफायती कीमत के दम पर इस गाड़ी ने एक बार फिर देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनने का गौरव हासिल कर लिया। दूसरी ओर मारुति की फ्रॉन्क्स ने भी ऐसा प्रदर्शन किया कि कई स्थापित मॉडलों की चिंता बढ़ गई। लंबे समय से बाजार में मजबूत पकड़ रखने वाली हुंडई क्रेटा को भी इस बार पीछे रहना पड़ा। अप्रैल 2026 के दौरान टाटा पंच की बिक्री में शानदार उछाल देखने को मिला। कंपनी ने इस अवधि में 19 हजार से ज्यादा इकाइयों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक रही। बिक्री में यह बढ़ोतरी दिखाती है कि छोटे आकार की लेकिन मजबूत और सुरक्षित एसयूवी को ग्राहक तेजी से पसंद कर रहे हैं। टाटा पंच की लोकप्रियता के पीछे इसकी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, ऊंचा बैठने का अनुभव और शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक आसान संचालन को बड़ी वजह माना जा रहा है। कम कीमत में बेहतर सुविधाएं मिलने के कारण यह मध्यम वर्गीय परिवारों की पहली पसंद बनती जा रही है।

भारत में बिजली की मांग में बड़े उछाल का अनुमान

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी इक्रा की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों में तेजी आने से वित्त वर्ष 2026-27 में बिजली की मांग 5.0 से 5.5 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। यह पिछले वित्त वर्ष (2025-26) की तुलना में एक बड़ा सुधार होगा, जब मांग में वृद्धि मात्र एक प्रतिशत तक सीमित रही थी। इक्रा ने बताया कि संभावित 'एल नीनो' प्रभाव के कारण कम बारिश के आसार हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में बिजली की खपत बढ़ेगी। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहन (EV) और डेटा सेंटर्स जैसे उभरते क्षेत्रों से भी ऊर्जा की मांग को बड़ा समर्थन मिलने की उम्मीद है। देश में बिजली उत्पादन की स्थिति पर इक्रा ने कहा कि तापीय ऊर्जा (Thermal Power) संयंत्रों का 'प्लांट लोड फैक्टर' (PLF) वर्ष 2026-27 में लगभग 65 प्रतिशत रहने का अनुमान है। कोयले की उपलब्धता के संदर्भ में संतोषजनक स्थिति बताते हुए एजेंसी ने कहा कि 8 अप्रैल 2026 तक घरेलू बिजली संयंत्रों के पास लगभग 19 दिनों के लिए पर्याप्त कोयला भंडार मौजूद था। इक्रा के उपाध्यक्ष अंकित जैन के अनुसार, जहां एक ओर तापीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश पर फिर से जोर दिया जा रहा है, वहीं नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) क्षमता में भी तीव्र गति से विस्तार हो रहा है।

भारत एक्सिम बैंक का मंगोलिया के गोलोम्ट बैंक से करार, दोनों देशों के बीच व्यापार को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। भारत के निर्यात-आयात बैंक (इंडिया एक्सिम बैंक) ने व्यापार लेनदेन को समर्थन देने के लिए अपने ट्रेड असिस्टेंस प्रोग्राम (टीएपी) के तहत मंगोलिया के गोलोम्ट बैंक के साथ एक 'इश्यूइंग बैंक एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर किये हैं। इस समझौते पर 05 मई को उज्बेकिस्तान के समरकंद में भारत एक्सिम बैंक के उप प्रबंध निदेशक तरुण शर्मा और गोलोम्ट बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. ओडोनबाटर द्वारा एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की वार्षिक बैठकों के दौरान हस्ताक्षरित किये गये। भारत एक्सिम बैंक अपने वैश्विक कार्यालय नेटवर्क तथा वित्तीय, परामर्श और क्षमता निर्माण संबंधी विविध गतिविधियों के माध्यम से भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश संबंधों को साझेदार देशों के साथ बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। साथ ही यह भारतीय व्यवसायों के अंतर्राष्ट्रीय विस्तार के प्रयासों में भी योगदान देता है। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान श्री शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में भारत एक्सिम बैंक ने टीएपी के अंतर्गत एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका सहित कई देशों के साथ अनेक व्यापारिक लेनदेन को समर्थन दिया है।

बंगाल फिर बनेगा व्यापार का केंद्र, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : कैट

एजेंसी

नई दिल्ली । अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आर्थिक दृष्टिकोण के अनुरूप पारदर्शी और निवेशक-हितैषी सरकार बनेगी, इससे राज्य एक बार फिर व्यापार, उद्योग और रोजगार का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर सकता है। कैट के सचिव और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल के व्यापार और औद्योगिक समुदाय में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनने की संभावना को लेकर नई उम्मीद और विश्वास पैदा हो गया है। उनके अनुसार, नीतिगत अस्थिरता, निवेशकों के घटते विश्वास, उद्योगों के पलायन, सिंडिकेट कल्चर और प्रशासनिक दबाव के कारण पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में उद्योग, व्यापार, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), पारंपरिक व्यवसायों और उद्यमिता को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। खंडेलवाल ने कहा, 'पश्चिम बंगाल, जो कभी देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में गिना जाता था, आज निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास की दौड़ में पिछड़ गया है। 'उन्होंने दावा किया कि हजारों एमएसएमई इकाइयां या तो बंद हो गई या अन्य राज्यों में स्थानांतरित हो गई, जबकि व्यापारियों, कारीगरों, लघु उद्योगों और पारंपरिक व्यवसायों को पिछले एक दशक में पर्याप्त नीतिगत समर्थन नहीं मिला। खंडेलवाल ने आगे कहा कि चाय, जूट, हथकरघा, चमड़ा, मिठाई और अन्य छोटे व्यवसाय, जिनमें लाखों लोग कार्यरत हैं, बढ़ती लागत, विनियम संबंधी जटिलताओं और अपर्याप्त बुनियादी ढांचागत सहायता के कारण प्रभावित हुए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छेना आधारित मिठाइयों पर लगाए गए जीएसटी ने बंगाल के पारंपरिक मिठाई उद्योग पर और दबाव डाला है। इसके अलावा, कैट के कार्यकारी अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल के उद्योगपति सुभाष अग्रवाल ने कहा कि कारोबारी समुदाय का मानना है कि अगर राज्य 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' जैसी पहलों के अनुरूप नीतियां अपनाता है, तो वह औद्योगिक क्षेत्र में अपनी प्रमुखता फिर से हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य के व्यापारी और उद्योगपति निवेशक-अनुकूल औद्योगिक नीतियों, बिजली शुल्क और दरों में राहत, सरल नियमों, एकल-खिड़की निकासी व्यवस्था और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप्स के लिए मजबूत समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। अग्रवाल ने बेहतर लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे, औद्योगिक गलियारों और पारंपरिक उद्योगों और कारीगरों के लिए नीतिगत संरक्षण की आवश्यकता को भी जरूरी बताया। वहीं, कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने कहा कि पश्चिम बंगाल के व्यापारी आश्वस्त हैं कि मजबूत नेतृत्व और विकासोन्मुखी शासन राज्य को व्यापार, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार सृजन के अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी स्थिति पुनः प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

मांडविया ने श्रमिकों के लिए शुरू की राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली के बसईदारापुर में स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से श्रम संहिता के तहत आने वाले श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का शुभारंभ किया। इसके जरिए देशभर में 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच की जाएगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस अवसर को श्रम शक्ति के सम्मान को समर्पित दिन बताते हुए कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. मनसुख मांडविया ने जोर देते हुए कहा कि सरकार ने पिछले 12 वर्षों में रोजगार सृजन और कल्याणकारी उपायों के माध्यम से श्रम शक्ति और युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए काम किया है। मांडविया ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जो एक दशक पहले लगभग 30 करोड़ लोगों से बढ़कर आज लगभग 94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है। इस तरह सामाजिक सुरक्षा कवरेज 19 फीसदी से बढ़कर 64 फीसदी हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि ईएसआईसी के दायरे में आने वाले लाभार्थियों की संख्या एक दशक पहले लगभग 7 करोड़ थी, जो आज बढ़कर लगभग 15 करोड़ हो गई है। श्रमिकों के कल्याण के लिए एक बड़ी पहल की घोषणा करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि अब देशभर में 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए प्रतिवर्ष निःशुल्क स्वास्थ्य जांच आयोजित की जाएगी।

वैश्विक अस्थिरता से फिर बढ़े सोने के दाम, चांदी 2.60 लाख रुपए के पार

एजेंसी

मुंबई । वैश्विक स्तर पर अस्थिरता के चलते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है और कीमतों में शुक्रवार को 0.81 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,261 रुपए के मुकाबले 411 रुपए बढ़कर 1,52,672 रुपए पर खुला। सुबह 9:43 पर यह 471 रुपए या 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,52,732 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,672 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,53,103 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,58,540 रुपए के मुकाबले 1,445 रुपए की बढ़त के साथ 2,59,999 रुपए पर खुला।

खबर लिखे जाते समय यह 2,118 रुपए या 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,60,658 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी का न्यूनतम स्तर 2,59,999

रुपए और उच्चतम स्तर 2,61,811 रुपए रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,725 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80.30 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी की वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बढ़ना है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर से बढ़ने के चलते इसमें इजाफा हुआ है। इससे सुरक्षित माने जाने वाले सोने और चांदी की खरीद को बढ़ावा मिल रहा है।

हालांकि, शांति के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत लगातार जारी है और उम्मीद की जा रही है कि एक अस्थायी समझौता जल्द ही हो सकता है।

अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ने के कारण भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स 212.58 अंक या 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,631.94 और निफ्टी 93 अंक या 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,233.65 पर था।

राज्यों के जीडीपी की गणना के लिए 2022-23 के आधार वर्ष के साथ दिशा-निर्देश जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। सांख्यिकी मंत्रालय ने राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की गणना के लिए 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए एक समान दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस कदम से सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय लेखा खातों की गणना के लिए आधार वर्ष को पहले ही 2022-23 में बदल दिया गया है ताकि नये आंकड़ों और विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को अधिक सटीक रूप से समझा जा सके।

मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय लेखा के आधार वर्ष को अपडेट कर 2022-23 कर दिया है। इस संशोधन का उद्देश्य आधुनिक डेटा स्रोतों और विकसित हो रहे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बेहतर अनुमान पद्धतियों को

शामिल करके अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को अधिक सटीक रूप से प्रस्तुत करना है। इस परिवर्तन के अनुरूप राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) संकलन के लिए नए आधार वर्ष को अपनाना अनिवार्य है। इससे क्षेत्रीय आर्थिक प्रदर्शन के आकलन में अधिक सटीकता, एकरूपता और तुलनीयता सुनिश्चित हो सकेगी।

एमओएसपीआई ने कहा कि इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी सलाहकार समिति (एसीएनएएस) ने क्षेत्रीय लेखा उप-समिति का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता आईआईएम, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर प्रो. रविंद्र एच. ढोलकिया ने की। इसमें राज्य सरकारों, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), नीति आयोग, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों के सदस्य शामिल हैं। इसका उद्देश्य राज्य घरेलू उत्पाद (एसडीपी) और जिला घरेलू उत्पाद (डीडीपी) के संकलन के लिए अवधारणाओं, कार्यप्रणालियों और उभरते डेटा स्रोतों की समीक्षा करना है।

वॉलमार्ट ने भारतीय कारोबारियों के लिए वैश्विक स्तर पर अवसर बढ़ाने के लिए ग्रोथ समिट 2026 का किया आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में वॉलमार्ट ग्रोथ समिट के दूसरे संस्करण इंडिया 2026 का आयोजन किया। वॉलमार्ट ने इस आयोजन के जरिए निर्यात के लिए तैयार उद्यमों, एमएसएमई, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स, डी2सी विक्रेताओं और सप्लाई चेन भागीदारों को एक मंच पर लाया, ताकि वे देश और विदेश दोनों बाजारों में विकास के नए अवसरों को तलाश सकें। वॉलमार्ट इंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन फर्नर ने कहा, 'आज के वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत सबसे ज्यादा गतिशील अवसरों का प्रतिनिधित्व करता है। हमने अब तक भारत से 40 अरब डॉलर से ज्यादा के उत्पादों की सोर्सिंग की है और उद्यमियों को मजबूत करने एवं सप्लायर्स की क्षमता बढ़ाने, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण मानक स्थापित करने और मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को निर्यात के लिए तैयार करने में मदद मिली है। इससे व्यापक आर्थिक अवसर बन रहे हैं और इनोवेटिव कंपनियों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने का मौका मिल रहा है।'

उन्होंने बताया कि भारत में एमएसएमई के विकास के मामले में उल्लेखनीय पड़ाव पार करते हुए वॉलमार्ट वृद्धि सप्लायर डेवलपमेंट प्रोग्राम ने आज बताया कि 2019 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से अब तक इसने देशभर में 1,15,000 से ज्यादा एमएसएमई को प्रशिक्षित किया है, उन्हें डिजिटल क्षमताओं से लैस किया है, जरूरी कारोबारी कौशल सिखाए हैं और नए बाजारों तक पहुंचने में मदद की है। जॉन फर्नर ने बताया कि 2028 तक कुल 1,70,000 एमएसएमई का समर्थन करने की योजना के साथ यह प्रोग्राम लगातार ऐसे एमएसएमई को मजबूत कर रहा है, जो नए बाजारों में निर्यात करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक से अब तक वॉलमार्ट ने पूरे भारत में मजबूत सप्लायर साझेदारियां की हैं। इससे निर्यात के मामले में दीर्घकालिक क्षमता विकसित करने और वैश्विक स्तर पर विनिर्माण हब के रूप में भारत की उभरती छवि में योगदान मिला है। वॉलमार्ट ने जारी बयान में कहा कि भारत से अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के उत्पादों की सोर्सिंग करने और वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के जरिए 1.15 लाख से अधिक उद्यमियों को सशक्त बनाने के बाद, इस समिट में भारत के निर्यात इकोसिस्टम को और मजबूत करने तथा अधिक से अधिक भारतीय व्यवसायों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की वॉलमार्ट की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। वॉलमार्ट एवं फ्लिपकार्ट के अधिकारियों ने ग्लोबल सप्लाई चेन में भारतीय कंपनियों की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। साथ ही स्थानीय साझेदारियां बढ़ाने और क्षमता निर्माण के प्रयासों को रेखांकित किया। जयपुर और कोयंबटूर में क्षेत्रीय ग्रोथ समिट आयोजनों के बाद यह शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। भारत सरकार के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट ऑर्गनाजेशंस (एफआईईओ) के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यक्रम से प्रमुख एमएसएमई क्लस्टर्स में पहुंच मजबूत करने में मदद मिली। आगामी वर्षों में ऐसे और शिखर सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। फ्लिपकार्ट ग्रुप के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, 'फ्लिपकार्ट ग्रुप में हमने इस बात को व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है कि कैसे टेक्नोलॉजी और डिजिटल कॉमर्स से पूरे भारत में लाखों छोटे कारोबारियों, उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय समुदायों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं।

लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 114 अंक गिरकर 77,844 पर बंद हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितता के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ। निवेशकों के सतर्क रुख के चलते सेंसेक्स 114 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी लगभग स्थिर 4.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 114 अंक यानी 0.15 फीसदी टूटकर 77,844.52 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 78,384.70 अंक के उच्चस्तर तक गया और 77,713.21 अंक के निचले स्तर तक आया था। सेंसेक्स में 671.49 अंक का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 4.30 अंक यानी 0.018 फीसदी के मामूली नुकसान के साथ 24,326.65 के स्तर पर बंद हुआ है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, टाइटन, सन फार्मा और आईटीसी में गिरावट आई है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.23 फीसदी के नुकसान के साथ 99 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

अन्य एशियाई शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 940.73 अंक यानी 1.22 फीसदी उछलकर 77,958.52 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 298.15 अंक यानी 1.24 फीसदी बढ़कर 24,330.95 अंक पर रहा था।

अगस्त से शुरू होगी ट्रेनों की नई आरक्षण प्रणाली में शिफ्टिंग: वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 40 साल पुराने यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) से नई उन्नत प्रणाली में ट्रेनों की शिफ्टिंग के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। रेल भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद थे। बैठक में नई आरक्षण प्रणाली के क्रियान्वयन और उसकी क्षमता विस्तार की प्रगति की समीक्षा की गई। रेल मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 1986 में शुरू हुई मौजूदा आरक्षण प्रणाली में पिछले चार दशकों के दौरान कई छोटे बदलाव किए गए थे लेकिन अब इसे अत्याधुनिक तकनीक के साथ पूरी तरह अपग्रेड किया गया है। नई प्रणाली की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। भारतीय रेलवे ने वर्ष 2002 में इंटरनेट आधारित टिकटिंग सेवा शुरू की थी। वर्तमान में लगभग

88 प्रतिशत टिकट बुकिंग ऑनलाइन माध्यमों से हो रही है और अधिकांश यात्री टिकट काउंटरों पर जाने के बजाय डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। रेल मंत्रालय ने बताया कि 'रेलवन' मोबाइल ऐप यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। जुलाई 2025 में लॉन्च किए गए इस ऐप को एक वर्ष से कम समय में 3.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड मिले हैं।

ऐप की प्रमुख विशेषताओं में टिकट बुकिंग, कैंसिल, रिफंड, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट सुविधा, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, प्लेटफॉर्म और कोच की जानकारी, रेल मदद सेवा तथा सीट पर भोजन डिलीवरी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। मंत्रालय के अनुसार, ऐप में प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों के कन्फर्म होने की संभावना बताने के लिए एआई आधारित फीचर भी जोड़ा गया है। इस सुविधा की सटीकता पहले 53 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 94 प्रतिशत हो गई है। देशभर में प्रतिदिन इस ऐप के माध्यम से 9.29 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं, जिनमें 7.2 लाख अनारक्षित और 2.09 लाख आरक्षित टिकट शामिल हैं। रेल मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रेलवे ने वर्ष 2024-25 में यात्री किराये पर 60,239 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी, जो प्रति यात्री औसतन 43 प्रतिशत रियायत के बराबर है। यानी सेवा की लागत यदि 100 रुपये है तो यात्री से केवल 57 रुपये ही वसूले जाते हैं।

वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने बैंकों को 'माइथोस' से होने वाले जोखिम के बारे में चेताया

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने एंथ्रोपिक माइथोस एआई मॉडल से होने वाले खतरे पर प्रकाश डालते हुए बैंकिंग समुदाय से आग्रह किया कि अगर माइथोस देश में सार्वजनिक रूप से रिलीज होता है, तो उसका सामना करने के लिए तैयार रहें। एम. नागराजू ने यहां 'भारतीय बैंक संघ'(आईबीए) की तरफ से आयोजित जोखिम प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि बैंकिंग समुदाय इस स्थिति के लिए तैयार है, अगर 'माइथोस' देश में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होता है।'

डीएफएस के सचिव ने बैंकों से अपनी साइबर सुरक्षा एवं परिचालन मजबूती को सुदृढ़ करने का आह्वान करते हुए कहा कि एंथ्रोपिक माइथोस जैसे उन्नत कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने की स्थिति में बैंकिंग प्रणाली के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। एम. नागराजू ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में लिखा कि मुंबई में 'जोखिम प्रबंधन' पर आयोजित पहले आईबीए शिखर सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया। डीएफएस सचिव ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ने रिकॉर्ड-निम्न एनपीए स्तरों और मज़बूत ऋण वृद्धि के साथ अभूतपूर्व लचीलापन दिखाया है। भारतीय बैंकिंग प्रणाली की संरचनात्मक मज़बूती पर प्रकाश डालते हुए डीएफएस सचिव ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के कार्यकारी नेतृत्व की सराहना भी की, जिन्होंने व्यवस्थित तरीके से 'गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों' (एनपीए) को कम किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में इंडियन ओवरसीज बैंक के कार्यकारी निदेशक टी. धनराज, बैंक ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक राजीव मिश्रा, पंजाब नेशनल बैंक के कार्यकारी निदेशक अमित कुमार श्रीवास्तव और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) बैंगलोर के प्रोफेसर एम. जयदेव शामिल थे। उद्घाटन सत्र में वित्तीय क्षेत्र के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, नीति निर्माताओं और वरिष्ठ नेतृत्व ने भी भाग लिया।

फेडरल बैंक के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी ईपीएफओ सेवा

एजेंसी

मुंबई। फेडरल बैंक का डिजिटल प्लेटफॉर्म अब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ जुड़ गया है। बैंक ने बताया कि फेडरल बैंक के ग्राहक अब नेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी सुविधानुसार और सुरक्षित तरीके से ईपीएफओ भुगतान कर सकेंगे।

यह कार्य बेहद आसान तरीके से बिना किसी झंझट के हो सकेगा। इसका शुभारंभ यहां आयोजित एक विशेष समारोह में किया गया जिसमें क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 (बैंकिंग) बृज मोहन सिंह, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-2 (बैंकिंग) अजय कृष्ण पालीवाल और ईपीएफओ अधिकारी कपिल आनंद भी मौजूद थे।

फेडरल बैंक का प्रतिनिधित्व बैंक के सरकारी एवं संस्थागत कारोबार विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कंट्री हेड अनूप टी. ने अन्य अधिकारियों के साथ किया। फेडरल बैंक के कार्यकारी निदेशक हर्ष दुगर ने कहा, 'फेडरल बैंक अपने मूलमंत्र 'डिजिटल एट द फोर, ह्यूमन एट द कोर' पर अमल करते हुए ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाये रखते हुए जरूरत के अनुरूप सुविधाजनक सेवाएं शुरू करता रहा है। ये पहल न केवल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाती हैं, बल्कि सरकारी संस्थानों के साथ सहज जुड़ाव भी सुनिश्चित करती हैं। '

लॉन्च हुआ मारुति ईको स्टार एडिशन, 6 एयरबैग और शानदार माइलेज के साथ मिलेगा प्रीमियम लुक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बहुउपयोगी वैन में शामिल मारुति ईको को अब नया और ज्यादा आकर्षक अवतार मिल गया है। कंपनी ने ग्राहकों को लुभाने के लिए ईको का नया स्टार एडिशन बाजार में उतार दिया है। कम कीमत, शानदार माइलेज और बड़े परिवार के लिए पर्याप्त जगह की वजह से पहले से ही लोकप्रिय यह गाड़ी अब नए प्रीमियम अंदाज में ग्राहकों के सामने आई है। खास बात यह है कि कंपनी ने इस विशेष संस्करण की कीमत पहले की तुलना में काफी कम अतिरिक्त राशि पर रखी है, जिससे यह और भी ज्यादा आकर्षक बन गई है। मारुति सुजुकी लंबे समय से भारतीय बाजार में इस श्रेणी की सबसे मजबूत कंपनी बनी हुई है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईको को सीधी टक्कर देने वाला कोई दूसरा मॉडल बाजार में मौजूद नहीं है। यही कारण है कि हर महीने इसकी हजारों इकाइयों की बिक्री होती है और अब कंपनी ने इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाने के लिए स्टार एडिशन पेश किया है।

कम अतिरिक्त कीमत में मिलेगा नया अवतार

मारुति ईको स्टार एडिशन की कीमत सामान्य मॉडल की तुलना में ?19,999 अधिक रखी गई है। इससे पहले कंपनी ने इसी तरह का विशेष संस्करण करीब ?37 हजार अतिरिक्त कीमत पर पेश किया था, लेकिन इस बार इसे काफी कम राशि में उपलब्ध कराया गया है। ऐसे में अब ग्राहकों को कम खर्च में ज्यादा प्रीमियम अनुभव मिलेगा।

ईको की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग ?5.18 लाख से शुरू होती है। ऐसे में स्टार एडिशन उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो कम बजट में आकर्षक और सुविधाओं से भरपूर बड़ी गाड़ी खरीदना चाहते हैं।

नए रंग और प्रीमियम लुक से बढ़ी खूबसूरती

मारुति ईको स्टार एडिशन को दो नए रंग विकल्पों में पेश किया गया है। इनमें चमकदार नीला और धात्विक धूसर रंग शामिल हैं। इस विशेष संस्करण की सबसे बड़ी खासियत इसके बॉडी कलर वाले बंपर हैं, जो इसे सामान्य मॉडल की तुलना में ज्यादा आकर्षक और प्रीमियम बनाते हैं।

कंपनी इस एडिशन के साथ 18 अतिरिक्त सजावटी और उपयोगी उपकरणों का पैकेज भी दे रही है। इनमें पीछे का स्पॉइलर, धुंध लैंप, विशेष सीट कवर, आकर्षक पहिया कवर, दरवाजों पर लगने वाले वाइजर, मड फ्लैप और अंदरूनी सजावट से जुड़े कई हिस्से शामिल हैं। इन बदलावों की वजह से यह गाड़ी पहले की तुलना में ज्यादा आधुनिक नजर आती है।

निजी ग्राहकों को आकर्षित करने की तैयारी

अब तक मारुति ईको की सबसे ज्यादा मांग व्यावसायिक उपयोग में देखी जाती रही है। स्कूल वैन, एंबुलेंस, छोटे कारोबार और यात्री परिवहन के लिए इसका इस्तेमाल बड़े स्तर पर होता है। लेकिन स्टार एडिशन के जरिए कंपनी अब निजी ग्राहकों को भी अपनी ओर आकर्षित करना चाहती है। बड़े परिवारों के लिए यह गाड़ी पहले से ही एक भरोसेमंद विकल्प मानी जाती रही है। सात लोगों के बैठने की क्षमता और कम रखरखाव लागत इसकी सबसे बड़ी ताकत है। अब प्रीमियम लुक मिलने के बाद यह पारिवारिक ग्राहकों के बीच और लोकप्रिय हो सकती है।

दमदार इंजन और शानदार माइलेज

मारुति ईको में 1.2 लीटर क्षमता वाला इंजन दिया गया है। पेट्रोल संस्करण में यह इंजन लगभग 81 पीएस की ताकत और 104.5 न्यूटन मीटर टॉर्क पैदा करता है। वहीं सीएनजी संस्करण में इसकी शक्ति थोड़ी कम हो जाती है। माइलेज के मामले में भी यह गाड़ी अपनी श्रेणी में मजबूत मानी जाती है। पेट्रोल संस्करण लगभग 20 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है, जबकि सीएनजी संस्करण में यह आंकड़ा लगभग 27 किलोमीटर प्रति किलोग्राम तक पहुंच जाता है। यही वजह है कि कम खर्च में ज्यादा सफर चाहने वाले ग्राहक इसे काफी पसंद करते हैं। मारुति ने ईको के सुरक्षा स्तर को भी पहले की तुलना में बेहतर बनाया है। अब इसमें 6 एयरबैग दिए गए हैं, जो इस कीमत की गाड़ियों में बड़ी बात मानी जा रही

अमेरिकी सीनेट के प्रस्ताव में चीन को सबसे बड़ा खतरा बताया गया, भारत से गहरे जुड़ाव पर जोर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटरों के दो-पार्टी समूह ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा दुश्मन और रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी बताया गया है। इसके साथ ही सीनेटरों ने बीजिंग का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ गहरे जुड़ाव और मजबूत हिंद-प्रशांत गठबंधन की मांग की गई है। सीनेटर क्रिस कून्स और कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटरों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि चीन के पास अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा, आर्थिक खुशहाली और रणनीतिक हितों को कमजोर करने का इरादा और क्षमता है। इस प्रस्ताव में चीन पर न्यूक्लियर, साइबर, समुद्री और स्पेस एसेट्स सहित अपनी मिलिट्री क्षमताओं को तेजी से बढ़ाने का आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया है कि बीजिंग हिंद-प्रशांत में जबरदस्ती, आक्रामक और धोखेबाज गतिविधियों का इस्तेमाल कर रहा है और ताइवान स्ट्रेट में जबरदस्ती या बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि चीन सैन्य तकनीक और मटीरियल साझा करके ईरान, उत्तर कोरिया और रूस सहित अमेरिका के दुश्मनों का समर्थन करता है। लॉमेकर्स ने बीजिंग पर आरोप लगाया कि वह अमेरिकी कॉम्पिटिटिवनेस को कमजोर करने और रणनीतिक क्षेत्रों में हावी होने के लिए सरकार के समर्थन वाली आर्थिक और औद्योगिक नीति का इस्तेमाल कर रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को बड़ा झटका, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को किया रद्द

वाशिंगटन। अमेरिका की फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को गैरकानूनी करार देते हुए उसे रद्द करने का फैसला सुनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 प्रतिशथ ग्लोबल टैरिफ की घोषणा की थी। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने 1974 के व्यापार कानून के तहत अपनी अधिकार सीमा का उल्लंघन किया है। 2-1 के बहुमत वाले फैसले में, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन 1974 के 'व्यापार अधिनियम' की धारा 122 का इस्तेमाल व्यापक व्यापार और चालू खाते के घाटे को आधार बनाकर टैरिफ लगाने के लिए नहीं कर सकता। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि यह कानून 1970 के दशक में मौजूद अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली से जुड़े विशेष 'भुगतान-संतुलन' संकटों से निपटने के लिए बनाया गया था, न कि आधुनिक व्यापार घाटे के लिए।

जज मार्क ए. बार्नेट और क्लेयर आर. केली ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप की घोषणा यह साबित करने में विफल रही कि कानून के जरिए आवश्यक शर्तें पूरी हुई हैं। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में ये टैरिफ लगाए थे। इसी साल की शुरुआत में भी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप की पिछली टैरिफ व्यवस्था को रद्द कर दिया था। नए टैरिफ की घोषणा धारा 122 के तहत की गई थी, जो 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत तक का अस्थायी आयात अधिभार लगाने की अनुमति देती है।

फ्रांसीसी युद्धपोत होर्मुज की ओर बढ़ा, बहुराष्ट्रीय मिशन का मैक्रों और स्टार्मर कर रहे नेतृत्व

पेरिस। फ्रांस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि न्यूक्लियर-पावर्ड विमान वाहक चार्ल्स डी गॉल स्वेज नहर के दक्षिण और लाल सागर होते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहा है। इसकी तैयारी संभावित रक्षा मिशन के लिए की जा रही है, जिसका उद्देश्य जलमार्गों में सुरक्षित नौवहन बहाल करना बताया गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर बहुराष्ट्रीय मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके अनुसार यह मिशन पूरी तरह रक्षात्मक होगा और केवल युद्ध समाप्त होने के बाद ही तैनात किया जाएगा। मैक्रों ने एक्स पर कहा, 'इससे जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद मिल सकती है। यह लड़ाई में शामिल पार्टियों से अलग है।' ही मैक्रों ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने भी उठाना चाहते हैं। मैक्रों ने लिखा, 'स्ट्रेट में शांति लौटने से न्यूक्लियर मुद्दों, बैलिस्टिक मुद्दों और इलाके के हालात पर बातचीत को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। यूरोप, अपनी भूमिका निभाएगा।' यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब तेहरान ने कहा कि वह अमेरिका के एक प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, जिसके बारे में ट्रंप का कहना है कि इससे संघर्ष खत्म हो सकता है।

पीएम नेतन्याहू बोले-हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार, अमेरिका और इजरायल के लक्ष्य एक हैं

तेल अवीव। ईरान और अमेरिका के बीच लड़ाई खत्म करने के लिए दोनों तरफ से कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच दावा किया जा रहा था कि ईरान के साथ सुलह के लिए अमेरिका के बीजिंग से उठाए जा रहे कदमों से इजरायल हैरत में है। हालांकि, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस तरह के सभी दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह पूरा सहयोग सुनिश्चित करने के लिए लगभग रोजाना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संपर्क में हैं। पीएम नेतन्याहू ने (लोकल टाइम) को कहा, 'हम अमेरिका में अपने दोस्तों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से लगभग रोज बात करता हूं। मेरे लोग और उनके लोग रोज बात करते हैं, आज भी।' उन्होंने आगे कहा कि आज रात बाद में ट्रंप के साथ उनकी फिर से फोन पर बात करने की योजना है। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान से निपटने के लिए इजरायल हर स्थिति के लिए तैयार है। इजरायल और अमेरिका के लक्ष्य एक जैसे हैं, जिनमें सबसे जरूरी लक्ष्य ईरान से एनरिच्ड मटीरियल को हटाना है।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच अबू धाबी पहुंचे विक्रम मिस्री, फ्रांस और यूएई संग हुई त्रिपक्षीय बैठक

एजेंसी

अबू धाबी। अमेरिका और ईरान में जारी भीषण तनाव के बीच भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे। अबूधाबी में विदेश सचिव मिस्री ने फ्रांस और यूएई के साथ त्रिस्तरीय बैठक की। विक्रम मिस्री ने दोनों देशों के अपने समकक्षों से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक का मुख्य फोकस एआई, स्पेस और कल्चरल हेरिटेज पर था। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की जानकारी देते हुए लिखा, 'विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यूएई के अंतरराष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिमी और फ्रांस के यूरोप और विदेश मंत्रालय के सेक्रेटरी जनरल मार्टिन ब्रायन्स के साथ 7 मई, 2026 को अबू धाबी में भारत-यूएई-फ्रांस त्रिपक्षीय मीटिंग में हिस्सा लिया।' विदेश मंत्रालय ने आगे बताया, 'बातचीत एआई, स्पेस और कल्चरल हेरिटेज के क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग पर फोकस रहा। इस बात पर

सहमति बनी कि त्रिपक्षीय सहयोग को एक स्ट्रक्चर्ड तरीके से आगे बढ़ाया जाए। ' इससे पहले विदेश सचिव ने भारत के लिए यूएई की राज्य मंत्री और विशेष दूत रीम अल हाशिमी और मुबाडाला इन्वेस्टमेंट कंपनी के एमडी और सीईओ खलदून अल मुबारक से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी, 'विदेश सचिव ने भारत के लिए राज्य मंत्री और विशेष दूत रीम अल हाशिमी के साथ द्विपक्षीय सहयोग के पूरे स्पेक्ट्रम की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने जनवरी 2026 में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के भारत दौरे और फरवरी 2026 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस हिज हाइनेस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के दौरे के दौरान लिए गए फैसलों पर हुई प्रगति का पॉजिटिव मूल्यांकन किया। 'विदेश मंत्री ने बताया कि उन्होंने दिसंबर 2025 में विदेश मंत्री और यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री की सहअध्यक्षता में हुई 16वीं जॉइंट कमीशन मीटिंग और 5वीं स्ट्रेटेजिक डायलॉग के नतीजों पर व्यापार, निवाश, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, रक्षा और सुरक्षा, फिनटेक, स्वास्थ्य, शिक्षा, कल्चर और लोगों के बीच जुड़ाव के क्षेत्रों में चल रहे द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नई पहलों की भी पहचान की।

रूस ने यूक्रेन के साथ युद्धविराम की घोषणा की, 10 मई तक लागू रहेगा सीजफायर

एजेंसी

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूस आठ मई की आधी रात से 10 मई तक युद्धविराम (सीजफायर) लागू करेगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह फैसला द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान लिया गया है। सरकारी रूसी न्यूज एजेंसी टास के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी संघ के राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर व्लादिमीर पुतिन के फैसले के अनुसार, महान देशभक्ति युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान, 8 मई की आधी रात से 10 मई तक रूस की ओर से युद्धविराम घोषित किया जाता है।

चार मई को येवरेन में हुए 8वें यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 9 मई को होने वाली रूस की विक्ट्री परेड का जिक्र करते हुए कहा था कि इस बार शायद परेड में सैन्य उपकरण न दिखें। अगर ऐसा होता है, तो यह कई वर्षों में पहली बार होगा। वे सैन्य उपकरण नहीं ला सकते और उन्हें डर है कि रेड स्क्वायर के ऊपर ड्रोन मंडरा सकते हैं। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि अगर यूरोपीय संघ के देशों को लगता है कि वे जेलेंस्की के आक्रामक बयानों को नजरअंदाज कर सकते हैं, तो वे गलत हैं।

उन्होंने कहा, 'हम अच्छी तरह जानते हैं कि 9 मई को लेकर पश्चिमी देशों का रवैया क्या है। वे लगातार सोवियत स्मारकों को नष्ट कर रहे हैं, सोवियत सैनिकों की यादों को मिटा रहे हैं और इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस में लूला और ट्रंप की मुलाकातः ईरान के साथ शांति और पुराने समझौते का दिया हवाला

एजेंसी

वाशिंगटन । ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान के साथ संवाद प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आग्रह किया है। व्हाइट हाउस में व्यापार, टैरिफ और वैश्विक संघर्षों पर हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद लूला ने ट्रंप को 2010 के उस परमाणु समझौते की प्रति सौंपी, जिसकी मध्यस्थता ब्राजील और तुर्की ने की थी। वाशिंगटन स्थित ब्राजील दूतावास में पत्रकारों से बात करते हुए लूला ने कहा कि उन्होंने ट्रंप से साफ कहा कि 'युद्ध से ज्यादा असरदार बातचीत होती है।' उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई से दुनिया में अस्थिरता और बढ़ सकती है। लूला ने कहा, 'मेरा मानना है कि युद्ध की तुलना में बातचीत कहीं अधिक बेहतर है। मुझे लगता है कि ईरान पर हमला करने से उतना नुकसान होगा जितना वह कल्पना भी नहीं कर सकते।' लूला ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ट्रंप को 2010 का वह समझौता सौंपा, जिस पर ब्राजील और तुर्की ने ईरान के साथ उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर

बातचीत की थी।लूला ने कहा, 'हम ईरान को यह मानने के लिए तैयार कर पाए थे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।' हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में पश्चिमी देशों ने इस समझौते को कमजोर कर दिया। उन्होंने कहा, 'बड़े अफसोस की बात है कि जब हमने उस समझौते को अंतिम रूप दिया, तो मुझे नहीं पता कि ओबामा और यूरोपीय संघ, और बाकी दुनिया ने ईरान पर दबाव बढ़ाने का फैसला क्यों किया। शायद इसलिए क्योंकि यह समझौता तथाकथित 'तीसरी दुनिया' के देशों ने कराया था। ' लूला ने बताया कि ट्रंप ने उनसे कहा कि वह इस दस्तावेज को पढ़ेंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने उन्हें दस्तावेज दिया तो उन्होंने कहा- 'मैं इसे आज रात पढ़ूंगा।' ' ब्राजील के राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार न होने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया 1945 जैसी नहीं रही और ब्राजील, भारत, जर्मनी, जापान तथा दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों को वैश्विक फैसलों में ज्यादा भूमिका मिलनी चाहिए। व्हाइट हाउस में हुई बैठक के दौरान परंपरागत ओवल ऑफिस प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई।

होर्मुज में बढ़ा तनाव, अमेरिकी डिस्ट्रॉयर्स पर ईरान के हमलों के बाद ट्रंप ने जल्दी डील साइन करने की चेतावनी दी

एजेंसी

वाशिंगटन । होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है। ताजा मामले में ईरान ने अमेरिका के डिस्ट्रॉयर्स पर हमले किए। इस बात की पुष्टि खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की। वहीं ईरान को जल्दी से डील पर हस्ताक्षर करने की चेतावनी भी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'तीन वर्ल्ड क्लास अमेरिकी डिस्ट्रॉयर्स अभी-अभी, बहुत कामयाबी से, होर्मुज स्ट्रेट से बाहर निकले, जहां फायरिंग हो रही थी। तीन डिस्ट्रॉयर्स को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन ईरानी हमलावरों को बहुत नुकसान हुआ। वे कई छोटी नावों के साथ पूरी तरह से तबाह हो गए, जिनका इस्तेमाल उनकी पूरी तरह से खत्म हो चुकी नेवी की जगह लेने के लिए किया जा रहा है। ये नावें समुद्र की गहराई में चली गईं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी हमले की पुष्टि करते हुए आगे लिखा कि हमारे डिस्ट्रॉयर्स पर मिसाइलें दागी गईं और उन्हें आसानी से गिरा दिया गया। इसी तरह, ड्रोन आए और हवा में ही जलकर राख हो गए। ट्रंप ने आगे कहा कि हमने उन्हें बहुत अच्छे से पूरी सटीकता के साथ मार गिराया और वे समुद्र में उसी तरह गिरे, मानों कोई तितली अपनी कब्र में गिर रही है! एक आम देश इन डिस्ट्रॉयर्स को जाने देता, लेकिन ईरान कोई आम देश नहीं है।

ईरानी नेतृत्व को चेतावनी देते हुए ट्रंप ने कहा, 'उन्हें पागल लोग लीड कर रहे हैं और अगर उन्हें न्यूक्लियर हथियार के इस्तेमाल करने का मौका मिलता, तो वे बिना किसी सवाल के करते, लेकिन उन्हें वह मौका कभी नहीं मिलेगा और जैसे हमने आज उन्हें फिर से हरा दिया, वैसे ही हम उन्हें भविष्य में और भी ज्यादा हिंसक तरीके से हरा देंगे अगर उन्होंने अपनी डील पर जल्दी हस्ताक्षर नहीं किया! हमारे तीन डिस्ट्रॉयर्स, अपने शानदार क्रू के साथ, अब हमारे नेवल ब्लॉकेड में फिर से शामिल होंगे, जो सच में एक वॉल ऑफ स्टील है। 'बता दें, 'वॉल ऑफ स्टील' का मतलब मुख्य रूप से एक मेटाफोरिकल या फिजिकल बैरियर होता है जिसे बहुत ज्यादा बचाव के लिए बनाया गया है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर मिलिट्री ब्लॉकेड के लिए किया जाता है, जैसे कि होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी नेवी ऑपरेशन। ट्रंप का यह बयान यूएस सेंट्रल कमांड के उस बयान के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी सेना ने ईरानी मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया है, जो स्ट्रेट से गुजर रहे अमेरिकी जंगी जहाजों पर बिना उकसावे के मिसाइल, ड्रोन और छोटी नावों से हमला करने के लिए जिम्मेदार थे।

पटाखा प्लांट धमाका मामले में मौत का आंकड़ा 37 पहुंचा, 51 घायलों में पांच की हालत गंभीर

एजेंसी

चांगशा । चीन के हुनान प्रांत में एक पटाखा प्लांट में हुए भीषण धमाके में हुई मौत का आंकड़ा बढ़ गया है। धमाके में मरने वालों की संख्या अब 37 हो गई है। स्थानीय अधिकारी की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, धमाके के बाद एक व्यक्ति लापता है और 51 लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 51 घायलों में से पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय समयानुसार, यह घटना सोमवार को दिन के चार बजकर 43 मिनट पर ये धमाका हुआ, जिसे 2019 से अब तक का सबसे बड़ा ब्लास्ट माना जा रहा है। हुनान का लियुयांग चीन की पटाखों की राजधानी के तौर पर जाना जाता है। यह डिवाइस की घरेलू सप्लाई का 60 फीसदी और एक्सपोर्ट का लगभग 70 फीसदी बनाता है।

2019 में पूर्वी चीन के जिआंगसु प्रांत में एक केमिकल

प्लांट में बड़ा धमाका हुआ था, जिसमें लगभग 78 लोग मारे गए थे।

न्यूज एजेंसी के अनुसार, हुनान प्रांत के लिउयांग में हुए धमाके के बाद के हालात की निगरानी के लिए वाइस-प्रीमियर झांग गुओकिंग को भेजा है। झांग ने कहा कि स्टेट काउंसिल, यानी चीन की कैबिनेट, हादसे के कारणों की जांच करने और क्रिमिनल सजा दिलाने में मदद के लिए एक जांच टीम बनाएगी। झांग ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले पटाखे बनाने वालों को सजा देने का वादा किया है। इसके साथ ही उन रेगुलेटर्स को भी सजा देने का वादा किया है जो कंपनियों की निगरानी करने के बजाय उन पर जुर्माना लगाते हैं।

सबसे ज्यादा उम्र के पीड़ित की उम्र 68 साल थी, जबकि सबसे कम उम्र के पीड़ित की उम्र बीस साल के आस-पास थी। ज्यादातर घायलों को इमरजेंसी इलाज के लिए लियूयांग पीपल्स हॉस्पिटल और लियूयांग ट्रेडिशनल चाइनीज मेडिसिन हॉस्पिटल ले जाया गया। इससे पहले चांगशा शहर के स्वास्थ्य आयोग के कम्युनिस्ट पार्टी सेक्रेटरी लियू जियायोंग ने कहा कि घायलों में से छह इंटेंसिव केयर में हैं। चेन ने कहा कि मौके पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन काफी हद तक पूरे हो चुके हैं। ऑपरेशन में फायर, इमरजेंसी रिस्पॉन्स, पब्लिक सिक्योरिटी और स्वास्थ्य विभाग के 1,500 से ज्यादा लोग शामिल थे।

स्किल्ड वर्कर्स माइग्रेशन के लिए भारत पसंदीदा देशः जर्मन अधिकारी

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । जर्मनी के बहुपक्षीय मामलों के कमिश्नर फ्लोरियन लाउडी के अनुसार, जर्मनी की देश-विशिष्ट माइग्रेशन पॉलिसी के तहत भारत पसंदीदा देश है। उन्होंने भारत को स्किल्ड वर्कर्स के सबसे महत्वपूर्ण सोर्स में से एक बताया। भारत के यूएन मिशन द्वारा आयोजित 'माइग्रेशन गवर्नेंस में डिजिटल इनोवेशन का फायदा उठाना' विषय पर आधारित कार्यक्रम में लॉडी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बेहतरीन सहयोग एक 'ट्रिपल विन' है- माइग्रेंट्स के लिए, मेजबान जर्मनी के लिए जहां श्रमिकों की कमी है, और भारत के लिए जिसके पास बड़ी संख्या में कार्यबल उपलब्ध है। उन्होंने कहा, 'यह उन हजारों युवा भारतीय श्रमिकों के लिए जीत है जो जर्मनी आए हैं। मैं इसे हर दिन बर्लिन की सड़कों पर देखता हूं। कुल मिलाकर, जर्मनी में भारतीय माइग्रेंट्स बेहद क्वालिफाइड हैं, खासकर साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में। उनकी असाधारण योग्यता उनकी औसत आय में भी दिखती है, जो जर्मनी की औसत आय से अधिक है। ' उन्होंने कहा, 'अकेले 2025 में 1,80,000 भारतीयों ने जर्मनी के वर्कफोर्स में योगदान दिया है, जो पिछले दस वर्षों में 656 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है। ' उन्होंने कहा, 'भारत, जर्मनी के खास राजनीतिक और आर्थिक साझेदारों में से एक बन गया है, क्योंकि हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था जैसी साझा मूल्यों और हितों को महत्व देते हैं। ' उन्होंने कहा, 'हालांकि, एक क्षेत्र है जो हमारी साझेदारी को बहुत खास बनाता है और वह माइग्रेशन पर हमारा करीबी सहयोग है। ' उन्होंने कहा, 'जब स्किल्ड श्रमिकों के माइग्रेशन की बात आती है, तो भारत हमारे सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक है, जैसा कि मेरे चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इस साल जनवरी में अपनी भारत यात्रा के दौरान भी कहा था। ' लॉडी ने कहा कि भारत और जर्मनी ने 2022 में माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट (एमएमपीए) पर हस्ताक्षर किए थे।

अमेरिकी कांग्रेस की ट्रंप से अपीलः शी जिनपिंग पर जिमी लाई की रिहाई के लिए दबाव बनाएं

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस के 100 से ज्यादा लॉमेकर्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील की है कि वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अपनी अगली मुलाकात में हांगकांग के जेल में बंद हांगकांग के मीडिया टाइकून और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता जिमी लाई को रिहा करें। लॉमेकर्स ने कहा कि 78 वर्षीय जिमी लाई की तबीयत लगातार खराब हो रही है। अमेरिकी प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और सीनेटर रिक स्कॉट की अगुवाई में भेजे गए एक संयुक्त पत्र में कहा गया कि हांगकांग के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जिमी लाई को दी गई 20 साल की सजा उनके लिए लगभग उम्रकैद जैसी है। 7 मई को भेजे गए इस पत्र में लॉमेकर्स ने लिखा, 'जब आप शी जिनपिंग से शिखर बैठक में बातचीत करेंगे, तो कृपया हांगकांग के राजनीतिक कैदी जिमी लाई का मुद्दा उठाएं और उनकी रिहाई की मांग करें। ' इस पत्र पर दोनों दलों के 107 लॉमेकर्स ने हस्ताक्षर

किए हैं। जिनमें सीनेट के बहुमत दल के नेता जॉन थून, सीनेट के अल्पसंख्यक दल के नेता चक शूमर, मिच मैककॉनेल, नैन्सी पेलोसी, रो खन्ना, टॉम कॉटन, कोरी बुकर, टिम केन, राजा कृष्णमूर्ति और एमी क्लोबुचर शामिल हैं। जिमी लाई बंद हो चुके अखबार 'एप्पल डेली' के संस्थापक हैं। उन्हें हांगकांग में विरोध की आवाज दबाने के खिलाफ संघर्ष का बड़ा प्रतीक माना जाता है। लॉमेकर्स ने पत्र में लिखा, '9 फरवरी 2026 को 78 वर्षीय जिमी लाई को हांगकांग के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई। उनकी उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए यह सजा उनके जीवन का बाकी समय जेल में बिताने जैसी है। ' लॉमेकर्स ने इस मामले को मानवीय संकट बताया। पत्र में कहा गया, 'जिमी लाई को आजादी दिलाने का मानवीय आधार बेहद जरूरी और स्पष्ट है। वह एक धार्मिक कैथोलिक और सफल कारोबारी हैं, जो पिछले पांच साल से हिरासत में हैं। इस दौरान उन्होंने ज्यादातर समय एकांत कारावास में बिताया है। ' पत्र में यह भी कहा गया कि जेल में रहने के दौरान उनकी सेहत और बिगड़ी है। लॉमेकर्स ने चेतावनी दी कि लगातार अलग-थलग रखने और खराब जेल परिस्थितियों से उन्हें स्थायी नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। चीन मामलों पर अमेरिकी आयोग के सह-अध्यक्ष क्रिस स्मिथ ने कहा कि ट्रंप के पास शी जिनपिंग से सीधे बात करने का दुर्लभ मौका है। उन्होंने कहा, 'जिमी लाई की बढ़ती उम्र और खराब स्वास्थ्य को देखते हुए हम राष्ट्रपति ट्रंप से अपील करते हैं कि वह शी जिनपिंग से मुलाकात में उनकी मानवीय आधार पर रिहाई की मांग करें। ' लॉमेकर्स ने ट्रंप से मांग की कि जिमी लाई को तुरंत मानवीय आधार पर रिहा कराया जाए, ताकि उन्हें सही इलाज मिल सके और वह अपने परिवार से मिल सकें।

अमेरिकी लॉमेकर्स ने उठाया बड़ा कदम, चीन को संवेदनशील सैन्य क्षेत्रों के पास जमीन खरीदने से रोकने के लिए नया विधेयक पेश

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी लॉमेकर्स के एक ग्रुप ने चीन और अन्य विरोधी देशों की ओर से अमेरिका की कृषि भूमि और संवेदनशील सैन्य व बुनियादी ढांचा स्थलों के पास संपत्ति खरीदने पर कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा को लेकर वाशिंगटन में बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। दरअसल, चीन पर बनी विशेष समिति के अध्यक्ष जॉन मूलेनर ने विरोधी देशों से अमेरिकी कृषि भूमि और संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा से जुड़ा विधेयक पेश किया था। हालांकि, कुछ दलों के लॉमेकर्स ने अमेरिकी सड़कों पर चीनी वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून लाने की योजना की घोषणा की। मूलेनर ने कहा, 'खाद्य सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा है और हम चीन जैसे विरोधी देशों को अपने सबसे संवेदनशील सैन्य और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा स्थलों के पास अमेरिकी कृषि भूमि खरीदने की अनुमति नहीं दे सकते। '

उन्होंने कहा कि यह कानून कमियों को दूर करेगा और विरोधी देशों को जमीन खरीदने से रोकेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट निवेश नीति' और अमेरिकी कृषि विभाग की 'फार्म सुरक्षा कार्य योजना' को भी लागू करेगा। प्रस्तावित कानून अमेरिका में विदेशी निवेश पर समिति (सीएफआईयूएस) के अधिकार क्षेत्र का विस्तार करेगा, ताकि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया से जुड़ी संस्थाएं रियल एस्टेट डील्स की समीक्षा की जा सकें। इसके तहत उच्च जोखिम वाले रियल एस्टेट लेनदेन की नई श्रेणी बनाई जाएगी, जिसमें कृषि भूमि, बंदरगाह, दूरसंचार ढांचा और सैन्य एवं खुफिया प्रतिष्ठानों के पास की संपत्तियां शामिल होंगी। यह विधेयक संवेदनशील स्थलों की परिभाषा का भी विस्तार करता है, जिसमें सैन्य प्रतिष्ठान, नासा केंद्र, एयरपोर्ट, समुद्री बंदरगाह, डेटा सेंटर, फाइबर ऑप्टिक नोड्स, क्लाउड कंप्यूटिंग सुविधाएं और महत्वपूर्ण संचार बुनियादी ढांचा शामिल हैं। विधेयक के अनुसार, उच्च जोखिम वाले लेनदेन को तब तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक अनसुलझा जोखिम माना जाएगा, जब तक कि उन्हें एक उच्च-मानक समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से मंजूरी न मिल जाए।

हंटावायरस क्या अर्जेंटीना से फैला? जांच में जुटी एजेंसियां

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स । दक्षिणी अटलांटिक में चल रहे लक्जरी क्रूज जहाज एमवी होंडियस पर फैले घातक हंटावायरस संक्रमण ने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। जांच एजेंसियां इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इस प्रकोप की शुरुआत अर्जेंटीना से हुई, जहां से यह अंटार्कटिका यात्रा शुरू हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लंबे समय से अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में हंटावायरस संक्रमण के सबसे अधिक मामलों वाले देशों में गिनता रहा है। अर्जेंटीना के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार जून 2025 से अब तक देश में 101 संक्रमण दर्ज किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुने हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले 'एंडीज वायरस' से 'हंटावायरस पल्मोनरी सिंड्रोम' नामक गंभीर फेफड़ों की बीमारी होती है। यह बीमारी कई मामलों में जानलेवा साबित होती है। अर्जेंटीना के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले एक वर्ष में संक्रमित मरीजों में लगभग एक-तिहाई की मौत हुई। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि क्रूज जहाज के कई यात्रियों में एंडीज वायरस पाया गया है। अब तक तीन यात्रियों की मौत हो चुकी है, जबकि एक व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती है। तीन अन्य यात्रियों को जहाज से निकालकर इलाज के लिए भेजा गया।

ईरान जल्द ही अमेरिका और इजरायल के खिलाफ लड़ाई में बड़ी जीत का जश्न मनाएगा: उपराष्ट्रपति आरेफ

एजेंसी

तेहरान । अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बाद फिर से तनाव बढ़ रहा है। दोनों तरफ से होर्मुज स्ट्रेट में हमले शुरू हो गए हैं। इस बीच ईरान के पहले उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरेफ ने दावा किया है कि ईरानी लोग जल्द ही अमेरिका और इजरायल के खिलाफ इस लड़ाई में बड़ी जीत का जश्न मनाएंगे। इस्लाम टाइम्स के अनुसार, उपराष्ट्रपति आरेफ ने स्वास्थ्य सुविधाओं और उद्योगों को हुए नुकसान का आकलन करने के दौरान कहा कि देश जल्द ही जीत का जश्न मनाएगा और होर्मुज स्ट्रेट ईरान का खास इलाका है। नेशनल पेट्रोकेमिकल कंपनी, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन का दौरा करते हुए आरेफ ने कहा कि देश में पुनर्निर्माण आगे बढ़ रहा है और ईरानी लोगों की बड़ी जीत के साथ पाबंदियां हटा दी जाएंगी।

उन्होंने कहा, 'हम जल्द ही अपनी जीत का जश्न मनाएंगे और देश पर इतने सालों से लगे बैन और दबाव हटा दिए जाएंगे।

' शिपिंग ग्रुप का निरीक्षण करते हुए आरेफ ने कहा, 'ईरान होर्मुज स्ट्रेट के प्रबंधन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। होर्मुज स्ट्रेट ईरान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। ईरानी नियंत्रण में यह जलमार्ग सुरक्षित रहेगा और इससे सभी क्षेत्रीय देशों को फायदा होगा।

ईरान दबदबा नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग चाहता है ताकि इस इलाके को आर्थिक केंद्र बनाया जा सके। ' दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास नई सैन्य झड़पों के बावजूद ईरान के साथ सीजफायर लागू है।

लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के पास ट्रंप ने मीडिया से कहा, 'अगर सीजफायर नहीं होता, तो आपको इसका तुरंत पता चल जाता। आपको बस ईरान से उठती एक बड़ी चमक दिखाई देती। '

वहीं, ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ संघर्ष समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका की ओर से दिया गया प्रस्ताव केवल एक पन्ने के ऑफर से कहीं अधिक व्यापक है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब तेहरान पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए वाशिंगटन से मिले संदेश की समीक्षा कर रहा है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या ईरान ने उस कथित एक पन्ने वाले प्रस्ताव का जवाब दिया है, तो उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ एक पेज का ऑफर नहीं है। यह ऐसा प्रस्ताव है जिसमें कहा गया है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। वे हमें न्यूक्लियर डस्ट और कई दूसरी चीजें देंगे जो हम चाहते हैं। '

page 1 and 8 may 9_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/9/2026 12:53 AM Page 2

स्थानीय समाचार

नशा मुक्त अभियान बना युवाओं के लिए उम्मीद की किरण: युवा राजपूत सभा

जम्मू, 08 मई (हि.स.)। युवा राजपूत सभा जम्मू-कश्मीर के मुख्य प्रवक्ता विशाल सिंह लांगेह ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा इस साल 11 अप्रैल को शुरू किए गए 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की सराहना करते हुए इसे नशाखोरी और नार्को-टेररिज्म के खिलाफ एक मजबूत पहल बताया। जारी बयान में लंगेह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 100 दिवसीय अभियान युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी आज समाज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुकी है, जिसने अपराध और हिंसा की घटनाओं को भी बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के साथ-साथ उन्हें अपराध की ओर धकेलता है। ऐसे में यह अभियान सुरक्षित और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लंगेह ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के जरिए जम्मू-कश्मीर में नार्को-टेररिज्म फैलाने की कोशिशों का यह अभियान करारा जवाब है। उन्होंने नशा तस्करों और इस नेटवर्क से जुड़े राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई की भी सराहना की। लंगेह के अनुसार, अभियान के तहत अब तक 500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि 14.50 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां जब्त की गई हैं।

उन्होंने आगे युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक संस्थाओं से भी इस अभियान में सहयोग देने का आग्रह किया।

चिट्टे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ/हीरानगर, 08 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए कठुआ पुलिस ने हीरानगर थाना के जंगी चक लिंक रोड पर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.71 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की है।

जानकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन हीरानगर की टीम ने नियमित नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। पूछताछ में उसने अपनी पहचान रंजीत पुत्र नशर दीन निवासी सुंखाल (डिंगा अंब) हाल निवासी जंगी चक हीरानगर के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास से नशीला पदार्थ बरामद हुआ।

इस संबंध में थाना हीरानगर में एफआईआर नंबर 51/2026 धारा 8/21/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है ताकि नशे के नेटवर्क के अन्य लिंक का पता लगाया जा सके।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान-टाइनी स्कॉलर्स स्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 08 मई (हि.स.)। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टाइनी स्कॉलर्स स्कूल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आरटीओ सुरिंदर पाल शर्मा, एआरटीओ शम्मी शर्मा तथा परिवहन विभाग के इंस्पेक्टर विकास श्रीवास्तव और जतिंदर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई जो ज्ञान और जागरूकता के प्रसार का प्रतीक है। इस दौरान छात्रों को ट्रैफिक नियमों, सड़क संकेतों, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व तथा सुरक्षित व अनुशासित ड्राइविंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आरटीओ सुरिंदर पाल शर्मा ने अपने संबोधन में यातायात नियमों के पालन और युवाओं में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया। वहीं एआरटीओ शम्मी शर्मा ने छात्रों को जागरूक नागरिक बनने और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। स्कूल के प्राचार्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम प्रेरणादायक संदेश के साथ संपन्न हुआ।

सीआरपीएफ जवान ने अपनी सर्विस गन से गोली मारकर की आत्महत्या

श्रीनगर, 08 मई (हि.स.)। कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक सीआरपीएफ जवान ने कथित तौर पर अपनी सर्विस गन से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना गुरुवार रात को दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में घटी। हरियाणा के रेवाड़ी निवासी कांस्टेबल सतीश कुमार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 164 बटालियन में तैनात थे। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज करके आगे की जांच शुरु कर दी है।

भाजपा ने कसा तंज, कहा- विपक्ष को तोड़ने का काम कर रहे हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली, 08 मई (हि.स.)। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर कांग्रेस और तमिलगा वेत्री कड़गम(टीवीके) गठजोड़ पर सियासी घमासान तेज हो गया है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वे आज भारतीय राजनीति में सबसे बड़े मौकापरस्त साबित हुए हैं, जो हर राज्य में क्षेत्रीय दलों के कंधों पर सवार होकर राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन बदले में उन्हीं सहयोगियों को राजनीतिक नुकसान पहुंचाते हैं।

चुग ने शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल की राजनीतिक परिस्थितियां यह साफ दिखा रही हैं कि राहुल गांधी विपक्ष को मजबूत करने नहीं बल्कि तोड़ने का काम कर रहे हैं। चुग ने कहा कि इंडी गठबंधन का सबसे बड़ा संकट नेतृत्व का नहीं बल्कि भरोसे का है, क्योंकि राहुल गांधी अपने सहयोगियों के लिए राजनीतिक बोझ बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में सहयोगियों के साथ टकराव, तमिलनाडु में सत्ता समीकरणों पर असमंजस और केरल में कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई यह साबित करती है कि राहुल ने विपक्षी राजनीति को अविश्वास और भ्रम की राजनीति में बदल दिया है। उल्लेखनीय है कि विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीती हैं, जो बहुमत के आंकड़े से दस कम हैं। सरकार बनाने के लिए उसे अन्य दलों के समर्थन की आवश्यकता है। टीवीके को कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और विदुथलाई चिरुथैगल कड़गम (वीसीके) का समर्थन मिल गया है, जो सभी डीएमके के सहयोगी हैं।

हरित अभियान के साथ नशा मुक्त भारत का संदेश- एआईपीडब्ल्यूएस, सीआरपीएफ और वन विभाग ने भद्रवाह में लगाए 500 पौधे

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 08 मई । पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से ऑल इंडिया पीपुल्स वेलफेयर सोसायटी, स्थानीय वन विभाग तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 33वीं बटालियन ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से विशाल पौधारोपण अभियान चलाया।

अभियान के दौरान वन विभाग कार्यालय परिसर में 500 से अधिक फूलदार पौधे लगाए गए। विशेष बात यह रही कि इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय नशा मुक्त भारत अभियान से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया गया। संयुक्त अभियान का मार्गदर्शन एआईपीडब्ल्यूएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमीर इकबाल खान, प्रभागीय वन अधिकारी देविंदर कुमार तथा सरना स्थित 33वीं बटालियन सीआरपीएफ के कमांडिंग अधिकारी ने किया। वहीं, जमीनी स्तर पर कार्यक्रम का संचालन एआईपीडब्ल्यूएस अध्यक्ष जफ्फर हुसैन वानी के नेतृत्व में स्वयंसेवकों की टीम ने किया। इस अवसर पर जफ्फर हुसैन वानी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है और यह अभियान इस बात का प्रतीक है कि युवा पीढ़ी आधुनिक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने के लिए नई सोच के साथ आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, 卐हमारा उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि युवाओं के भीतर हरित और स्वच्छ भविष्य के प्रति जागरूकता पैदा करना है। एक सामाजिक संस्था होने के नाते हम सतत विकास के लिए सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अभियान में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे प्रशासन और पर्यावरण संरक्षण के बीच बेहतर समन्वय का संदेश गया।

प्रभागीय वन अधिकारी देविंदर कुमार ने टाउन ब्लॉक वन अधिकारी सरफराज अहमद के साथ स्वयं पौधारोपण में हिस्सा लिया। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए लोगों से आगामी अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

देविंदर कुमार ने कहा, 卐वर्तमान समय में पौधारोपण के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना और साथ ही नशा मुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।卐 उन्होंने स्वयंसेवकों से जनजागरूकता अभियान को और तेज करने का आह्वान किया। ई/33वीं बटालियन सीआरपीएफ के निरीक्षक श्रीओम ने भी अपने जवानों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ केवल संघर्ष या आपात परिस्थितियों में ही नहीं, बल्कि समाज सुधार और सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में एआईपीडब्ल्यूएस के महासचिव उमर फारूक टाक, कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलीम भट्ट तथा कार्यक्रम आयोजक अनिकैत शर्मा सहित कई पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। दिवसभर चले इस अभियान का समापन सभी प्रतिभागियों, सीआरपीएफ जवानों, वन विभाग अधिकारियों और नागरिक स्वयंसेवकों द्वारा सामूहिक संकल्प लेने के साथ हुआ। सभी ने चिनाब घाटी क्षेत्र को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया।

बिलावर में नशा विरोधी पदयात्रा, समाज को नशा मुक्त बनाने का संदेश

कठुआ/बिलावर, 08 मई (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला पुलिस कठुआ ने बिलावर में एक विशाल एंटी-ड्रग जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया। इस पदयात्रा का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना और नशा मुक्त समाज का संदेश देना था।

पदयात्रा की शुरुआत चैगान बिलावर से हुई और यह नाज ब्रिज पर जाकर समाप्त हुई। इस दौरान युवाओं, छात्रों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में विधायक बिलावर, एडीसी बिलावर, एसपी (ऑप्स) अपर कठुआ, एसडीपीओ बिलावर, तहसीलदार बिलावर, एसएचओ बिलावर सहित कई अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने बैनर और तख्तियां लेकर नशा विरोधी नारे लगाए और आम लोगों को इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली और पुलिस के अभियान को पूरा सहयोग देने का संकल्प लिया।

वेद ज्ञान से ही संभव है सच्चा जीवन मार्ग : स्वामी राम स्वरूप जी

कठुआ, 08 मई (हि.स.)। वेद मन्दिर योल में आयोजित 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 27वें दिन स्वामी राम स्वरूप, योगाचार्य ने ऋग्वेद मन्त्र 1/22/3 का भावार्थ समझाते हुए कहा कि बिना ज्ञान के किसी को भी ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्ति के लिए एक ज्ञानी गुरु और एक जिज्ञासु शिष्य दोनों का होना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि सृष्टि के आरंभ में जब कोई गुरु या विद्वान नहीं था तब परमेश्वर ने अग्नि, वायु, आदित्य और अंगिरा ऋषियों के हृदय में वेदों का ज्ञान प्रकट किया। योग शास्त्र के अनुसार परमेश्वर ही प्रथम गुरु हैं जो निराकार होते हुए भी अपनी दिव्य शक्ति से ज्ञान प्रदान करते हैं। स्वामी जी ने कहा कि ब्रह्मा ने इन ऋषियों से वेद ज्ञान प्राप्त कर गुरु-शिष्य परंपरा की शुरुआत की जो आज तक चली आ रही है।

नशा मुक्त समाज की ओर कदम-जीडीसी बनी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ/बनी, 08 मई (हि.स.)। सरकारी डिग्री कॉलेज बनी में बनी सिविल प्रशासन और पुलिस विभाग के सहयोग से नशा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन तहसीलदार बनी प्रद्युम अत्री ने किया जबकि एसएचओ बनी पवन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम कॉलेज की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नीना गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए स्वस्थ और नशा-मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। तहसीलदार प्रद्युम अत्री ने अपने संबोधन में नशे के नुकसान बताते हुए खेल और योग को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। वहीं एसएचओ पवन सिंह ने नशा तस्करी रोकने में पुलिस की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों, एनएसएस स्वयंसेवकों और स्टाफ ने भाग लिया।

वक्ताओं ने छात्रों को नशे से दूर रहने, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने और साथियों के दबाव से बचने के उपाय बताए। अंत में छात्रों को नशा मुक्त रहने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन एनएमबीए के नोडल अधिकारी डॉ. जे.एस. सूदन ने किया।

100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत व्यापक जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित

शोपियां, 08 मई। जिले में चल रहे 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत आज व्यापक जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों, धार्मिक नेताओं, परिवहनकर्ताओं, सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनभर चले इस अभियान में शपथ ग्रहण समारोह, जागरूकता रैलियां, खेल गतिविधियां, योग सत्र, पोस्टर प्रदर्शन अभियान, काउंसलिंग सत्र, सेमिनार, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ, अनुशासित और नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना था।

जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों ने नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम, कहानी सत्र, खेल गतिविधियां और योग सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को सकारात्मक और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

अभियान के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास विभाग, आयुष, आईसीडीएस, सहकारिता, श्रम, परिवहन, जल शक्ति, नगर परिषद, कृषि एवं संबद्ध विभागों सहित कई सरकारी विभागों द्वारा विशेष जागरूकता अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रम चलाए गए।

धार्मिक संस्थानों ने भी इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिले के विभिन्न गांवों और तहसीलों की मस्जिदों में शुक्रवार की नमाज के दौरान नशे के खिलाफ विशेष संदेश और जागरूकता प्रवचन दिए गए।

धार्मिक विद्वानों ने नैतिक जिम्मेदारी, सामाजिक सद्भाव और युवाओं को नशे की बुराई से बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

परिवहनकर्ताओं, किसानों, व्यापारियों, युवा समूहों और स्थानीय समुदायों ने भी नशे को ना कहें, जीवन को हां कहें का संदेश फैलाने के लिए जनशपथ, पोस्टर प्रदर्शन और सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया।

अभियान को लोगों का भारी समर्थन मिला और यह प्रशासन तथा समाज के उस सामूहिक संकल्प को दर्शाता है, जिसके तहत निरंतर जागरूकता, रोकथाम और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से शोपियां को सुरक्षित, स्वस्थ और नशा मुक्त जिला बनाने का लक्ष्य रखा गया है।